सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

आवश्यकता है
मीडिया हाउस
में काम करने के लिए
ऑफिस बॉय की जरूरत है।
(छुटपुट कुकिंग कार्य करने वाले को प्राथमिकता)
वेतन चार अंकों में ....
पता : शॉप नंबर 12, रेलवे क्रासिंग के पास, आकाशगंगा , सुपेला, भिलाई
संपर्क : 9827806026, 8319932659

वर्ष- 14 अंक - 359 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 11 अक्टूबर 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास - खबर

अमेरिकी हथियारों से लदा विमान इस्राइल पहुंचा, इस युद्ध को हम खत्म करेंगे- पीएम नेतन्याहू

येरूशलम (एजेंसी)। अमेरिकी हथियारों से लदा पहला विमान मंगलवार की शाम दक्षिणी इस्राइल में उतरा। इस्राइल के रक्षा बल (आईडीएफ) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर इस बात की जानकारी दी। उन्होंने लिखा, 'यूएस हथियारों से लदा हुआ पहला विमान दक्षिणी इस्राइल के नेवाटिम एयरबेस में शाम को पहुंचा।' हालांकि, आईडीएफने हथियारों के प्रकार या सैन्य उपकरणों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। जैसे ही इस्राइल ने हमास के विरोध में युद्ध छेड़ा है, अमेरिका ने हथियार पहुंचाना शुरू कर दिया है।

नेतन्याहू ने की बाइडन से बात

इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मंगलवार को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन से तीसरी बार फोन पर बात की। इस बातचीत के बाद नेतन्याहू ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा, 'मैंने बाइडन को बताया कि हमास आईएसआईएस से भी बदतर है और उनके साथ उसी तरह से व्यवहार किया जाना चाहिए। इस दौरान बाइडन ने बताया कि अमेरिका, इस्राइल के साथ खड़ा है और इस्राइल का पूरा समर्थन करता है। इस पर इस्राइली प्रधानमंत्री ने बाइडन का धन्यवाद किया। नेतन्याहू ने बताया कि बातचीत के बाद से ही हमास की बर्बरता और भी ज्यादा बढ़ गई है। उन्होंने दर्जनों बच्चों का अपहरण कर लिया और उन्हें जला दिया। सैनिकों के सिर काट दिए। हमने इस्राइल के पूरे इतिहास में ऐसी बर्बरता इससे पहले नहीं देखा था।

कांग्रेस दोबारा बना सकती है छत्तीसगढ़ में सरकार, फिर भी उत्साहित हैं भाजपाई

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

भिलाई। चुनाव तारीखों का ऐलान होते ही एक निजी चैनल का चुनावी सर्वे सामने आया है। इस सर्वे के चौंकाने वाले आंकड़े प्रदेश में एक बार फिर से कांग्रेस की सरकार बनाने की ओर इशारा कर रहे हैं, जबकि भाजपा में भी इस सर्वे को लेकर उत्साह है। दरअसल, एबीपी-सी वोटर सर्वे में 90 सदस्यीय छत्तीसगढ़ विधानसभा में कांग्रेस को 51 सीटें मिलती दिखाई गई है। राज्य में बहुमत का जादुई आंकड़ा 46 है। ऐसे में इस सर्वे के हिसाब से एक बार फिर कांग्रेस की सरकार बनती दिखती है, लेकिन इसी सर्वे में भाजपा को भी 40 से 45 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया है। शायद यही वजह है कि भाजपा के लोगों में भी उत्साह है। उन्हें लगता है कि थोड़े प्रयासों से प्रदेश में सरकार बनाई जा सकती है। सवाल यह है कि 2018 में 68 सीटें जीतने वाली कांग्रेस आखिर 5 साल की सत्ता के बाद 51 के आंकड़े तक कैसे पहुंची?

इस सवाल का जवाब 2018 के चुनाव अभियान से मिलता है। 14 सीटों वाले सरगुजा संभाग को पूरा भरोसा था कि टीएस सिंहदेव छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री बनेंगे। इसलिए वहां ऐसी हवा चली कि भाजपा का सूपड़ा साफ हो गया। सभी 14 सीटें कांग्रेस की झोली में गई। इधर, पार्टी ने साहू समाज के कद्दावर नेता सांसद ताम्रध्वज साहू को विधानसभा के चुनाव में उतारा, उधर पूरा साहू समाज लामबंद हो गया। समाज के लोगों ने बढ़-चढ़कर कांग्रेस के पक्ष में वोटिंग की। उन्हें भी उम्मीद थी कि ताम्रध्वज साहू सीएम बनेंगे। लेकिन इस बार स्थिति पूरी तरह से स्पष्ट है। सरगुजा के लोगों और साहू समाज को यह भलीभांति मालूम है कि क्या होगा? साहू समाज को भाजपा का समर्थक माना जाता रहा है। अब भाजपाइयों को भरोसा है कि एक बार फिर यह समाज भाजपा के पक्ष में खड़ा होगा। पिछले दिनों टीएस बाबा ने खुद कहा था कि इस बार सरगुजा में कांग्रेस के सीटें आधी हो सकती है। इन सबके अलावा एक बार फिर सतनामी समाज भाजपा का हाथ थामता दिखता है। हालांकि समाज के एक गुरू कांग्रेस के विधायक और केबिनेटमंत्री हैं, लेकिन बड़ी संख्या में समाज के गुरूओं और महंतों द्वारा भाजपा का समर्थन करने से हालात बदले हैं। इसके साथ ही इस बात पर भी ध्यान देना होगा कि कांग्रेस में जो युवा और नए लोग विधायक बने, उनका परफारमेंस बेहद खराब रहा है। कांग्रेस की सर्वे रिपोर्ट में भी इसका खुलासा हुआ था। इसके चलते बहुत सारे विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेस की संभावनाएं क्षीण हुई है। हालांकि पार्टी इस बार ऐसे विधायकों को टिकट से वंचित करने जा रही है। भाजपा के विपरीत कांग्रेस ने अब तक अपने पत्ते नहीं खोले हैं, लेकिन संभावना है कि इस बार पार्टी महिलाओं को ज्यादा टिकट दे। शायद इसके जरिए कुछ भरपाई करने की कोशिश होगी।

2018 में कांग्रेस को छत्तीसगढ़ में कुल 43 फीसद वोट मिले थे। जबकि भाजपा को 33 फीसद। दोनों के बीच वोट प्रतिशत का अंतर 10 था। यदि निजी सर्वे पर भरोसा करें तो भाजपा इस अंतर को काफी कुछ पाटती दिखती है। जबकि 2013 में स्थितियां इसके ठीक उलट थी। उस वक्त भाजपा को 49 और कांग्रेस को 39 फीसद वोट मिले थे। इस अंतर को कांग्रेस ने 2018 में बहुत बेरहमी से पाटा था। मतलब, कांग्रेस ने 2013 के मुकाबले 2018 में 20 फीसद ज्यादा वोट कबाड़े थे। हालांकि इसे सत्ता विरोधी लहर और डॉ. रमन सरकार की कुछ नीतियों का दोष माना जा सकता है। ऐसे में यह देखना बेहद दिलचस्प होगा कि इस बार भाजपा क्या जादू कर दिखाती है? वैसे, पार्टी के भीतर टिकट वितरण को लेकर खासा असंतोष देखने को मिल रहा है। जिन चेहरों पर दाँव लगाया गया है, पार्टी के कार्यकर्ताओं का मानना है कि उनके दम पर सरकार बनाना संभव नहीं है। बावजूद इसके छत्तीसगढ़ में चुनावी नैय्या पार लगाने की जिम्मेदारी आरएसएस के कंधों पर डाली गई है।

कांग्रेस का पिटारा खुलने का इंतजार

भले ही भाजपा ने 90 में से 85 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतार दिए हैं, लेकिन अब भी कांग्रेस ने अपने पत्ते नहीं खोले हैं। कांग्रेस के साथ ही राजनीतिक विश्लेषकों को भी इसका बेसब्री से इंतजार है। दरअसल, कांग्रेस द्वारा घोषित किए जाने वाले प्रत्याशियों के आधार पर ही किसी तरह का आंकलन संभव है। पूरी संभावना है कि कांग्रेस नया सप्ताह प्रारम्भ होते-होते अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर दे। लेकिन जो खबरें आ रही है, उसके मुताबिक, कांग्रेस के कई विधायकों के टिकट काटे जा रहे हैं। ये वे विधायक हैं, जिनका परफारमेंस कमजोर आंका गया है। कांग्रेस के सर्वे में यह बात प्रमुखता से आई थी कि ये विधायक सत्ता सुख भोगने में इतने मशगूल रहे कि उन्होंने जनता और क्षेत्रीय समस्याओं की ओर मुंह तक नहीं किया। इसके चलते पार्टी की स्थिति खराब हुई है। इसके अलावा ऐसे भी संकेत मिल रहे हैं कि जिन दावेदारों की राजनीतिक पकड़ कमजोर हैं, उन्हें टिकट नहीं मिलेगी। 2018 में पार्टी ने कुल 13 महिलाओं को टिकट दी थी। इस बार यह संख्या 18 से 20 होने की संभावना जाहिर की गई है।

सभी संभागों में नुकसान का अंदेशा

2018 के चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने कमाल का परफारमेंस दिया था। इसी के चलते सरगुजा और बस्तर जैसे संभागों से भाजपा का सूपड़ा पूरी तरह से साफ हो गया था। वहीं दुर्ग संभाग से उसे महज 2 सीटें ही नसीब हुई थी। तब भाजपा की लाज बचाने में कुछ हद तक बिलासपुर और रायपुर संभाग कुछ हद तक कामयाब हुए थे। 24 सीटों वाले बिलासपुर संभाग से कांग्रेस को कुल 13 और 20 सीटों वाले रायपुर संभाग से 14 सीटें मिली थी। लेकिन इस बार कांग्रेस के लिए हालात उतने मुफीद नहीं हैं। भाजपा और कांग्रेस के सर्वे के साथ ही हालिया आए निजी चैनल के सर्वे को मिलाकर निष्कर्ष निकालें तो कांग्रेस को इस बार सभी 5 संभागों में काफी सीटों का नुकसान होने का अंदेशा है। यह तब है जब छत्तीसगढ़ सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों की चर्चा पूरे देश में है। यदि बारीकी से अन्वेषण करें तो इस मामले में कांग्रेस की कमियां कम और भाजपा की भरपाई ज्यादा दिखती है। यह भूपेश बघेल सरकार की योजनाओं का ही असर है कि छत्तीसगढ़ में एक बार फिर से कांग्रेस की सरकार बनती दिखती है।

बड़े चेहरों पर एमपी की तर्ज पर दाँव लगा क्या संदेश देना चाहती है भाजपा

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

भिलाई। छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में बीजेपी का लक्ष्य एक ही हैं। दोनों ही जगह पर सत्ता हासिल करना है। छत्तीसगढ़ में जहां फिर से सत्ता हासिल करने की चाह है तो मध्यप्रदेश में सत्ता विरोधी लहर है। वहीं, बीजेपी एमपी और छत्तीसगढ़ में एक ही रणनीति के साथ चल रही है। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करने की जगह बीजेपी अपने सांसदों सहित कई दिग्गजों को मैदान में उतार रही है। बड़े चेहरों की चर्चा सीएम पद के दावेदार के रूप में हो रही है। दूसरी ओर, कांग्रेस में यह साफ है कि सत्ता में आने के बाद भूपेश बघेल ही सीएम होंगे।

चुनाव की तारीखों की घोषणा के बाद छत्तीसगढ़ में बीजेपी उम्मीदवारों की दूसरी सूची आ गई है। इसमें कई वरिष्ठ नेताओं को रखा गया है, जिसमें पूर्व सीएम रमन सिंह का भी नाम शामिल है। साथ ही एक केंद्रीय मंत्री सहित तीन सांसदों के नाम हैं, यह पूरा पैटर्न एमपी की तरह है। बीजेपी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और तीन बार सीएम रहे रमन सिंह को उनके गृह क्षेत्र राजनंदगांव से चुनाव लड़ने को कहा गया है। उन्हें बड़े स्तर पर सीएम के संभावित चेहरे के रूप में देखा जाता है लेकिन बीजेपी ने उनके नाम की घोषणा नहीं की है। साथ ही उस तरह से उन्हें पेश भी नहीं कर रही है। संदेश साफ है। बहुमत के हालात में पार्टी की नजरें नए नेतृत्व पर होगी।

जिन सीनियर नेताओं को इस बार पार्टी ने चुनाव मैदान में उतारा है, उनमें बिलासपुर सांसद अरुण साव, आदिवासी मामलों की केंद्रीय राज्यमंत्री रेणुका सिंह और पूर्व केंद्रीय मंत्री विष्णु देव साय शामिल हैं। साव को लोरमी, रेणुका सिंह को भरतपुर-सोनहत और पूर्व बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष साय को कुनकरी से टिकट मिला है। वहीं, पहली सूची में दुर्ग सांसद विजय बघेल को उनके चाचा भूपेश बघेल के खिलाफ पाटन से टिकट दिया गया है। भूपेश बघेल पाटन से पांच बार विधायक रहे हैं, विजय बघेल ने उन्हें 2008 में केवल एक बार हराया था। इसके साथ ही पहली सूची में एक अन्य दिग्गज और संभावित सीएम चेहरा रामविचार नेताम हैं, जो राज्य के पूर्व गृह मंत्री और पूर्व राज्यसभा एमपी हैं। उन्हें सरगुजा के रामानुजगंज सीट से उतारा गया है।

वहीं, चुनाव से तीन महीने पहले विजय बघेल को उम्मीदवार बनाना बीजेपी की रणनीति का हिस्सा था। सीएम पद के चेहरे की घोषणा नहीं कर कांग्रेस को लक्ष्य से वंचित करने की कोशिश है। जबकि कांग्रेस ने अभी तक उम्मीदवारों की सूची जारी नहीं की है। हालांकि यह स्पष्ट कर दिया है कि पार्टी की जीत के बाद नेता भूपेश बघेल ही होंगे और मुख्यमंत्री भी बनेंगे। कांग्रेस 2018 में विधानसभा चुनाव भूपेश बघेल के नेतृत्व में लड़ी थी, जिन्होंने बीजेपी के तिलिस्म को तोड़ दिया था। 90 में से 68 सीटों पर जीत हासिल की थी। शायद यही वजह है कि कांग्रेस ने बघेल के पक्ष में एकजुट होने के लिए डेप्युटी सीएम टीएस सिंहदेव के साथ भी समझौता किया, जो कभी मुख्यमंत्री पद के दावेदार थे। सिंहदेव के क्षेत्र अंबिकापुर से बीजेपी ने अभी तक उम्मीदवार घोषित नहीं किए हैं। वहीं, सीएम बघेल के दुर्ग जिले के पाटन विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने की उम्मीद है।

भीमा मंडावी की बेटी का दर्द,- पिता की शहादत भूली भाजपा

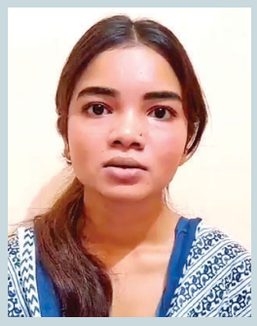

भाजपा में टिकट के ऐलान के साथ ही कई जगहों पर असंतोष व बगावत उभरकर आई है। धरसींवा में जहां अनुज शर्मा का विरोध हो रहा है तो वहीं बिंद्रानवागढ़ से डमरूधर पुजारी का टिकट कटने पर भी नाराजगी उभर रही है। इधर, दंतेवाड़ा से भी विरोध के स्वर उठे हैं। दिवंगत विधायक भीमा मंडावी की बेटी दीपा मंडावी ने पार्टी की निष्ठा पर सवाल खड़े किए हैं। स्वर्गीय भीमा मंडावी की बेटी ने वीडियो जारी कर बीजेपी के बड़े नेताओं से जवाब मांगा है। उसने पूछा है कि क्या मेरे पिता की शहादत को पार्टी भूल गई? जिस पार्टी के लिए उनके पिता ने जान दे दी, उनकी शहादत के बाद राजनीति में कदम रखने वाली उनकी पत्नी को टिकट क्यों नहीं दिया गया? उनके पिता की निष्ठा में कहां कमी रह गयी थी, जो पार्टी ने उन्हें टिकट के लायक नहीं समझा? भीमा मंडावी की बेटी ने पूछा है कि आखिर क्यों नहीं मेरी मां ओजस्वी मंडावी का दंतेवाड़ा से टिकट दिया गया? मेरी मां को टिकट न देकर मेरे पिता के बलिदान की बेइज्जती की गई है। आपको बता दें कि 9 अप्रैल 2019 को दंतेवाड़ा में हुए नक्सली हमले में दंतेवाड़ा से बीजेपी विधायक भीमा मंडावी और चार सुरक्षा कर्मी मारे गए थे। बाद में भाकपा (माओवादी) ने इस हमले की जिम्मेदारी ली थी। नक्सली उनके चार हथियार भी उठा ले गए थे।

भाजपा की वो 5 सीटें, जहां नहीं बन पाई सहमति, हो सकते हैं चौंकाने वाले नाम

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

भिलाई। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी की दो लिस्ट जारी हो चुकी हैं। पहली लिस्ट में 21 नाम थे तो दूसरी लिस्ट में 64 नाम। बीजेपी ने 90 विधानसभा सीटों वाली विधानसभा के लिए 85 उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। राज्य में केवल पांच ऐसी सीटें हैं जहां बीजेपी ने अभी उम्मीदवार घोषित नहीं किए हैं। बीजेपी सूत्रों के अनुसार, पार्टी इन सीटों पर नए चेहरों के नामों पर मंथन कर रही है। इन पांच सीटों पर चौंकाने वाले नाम हो सकते हैं। वहीं, ये भी कहा जा रहा है कि यहां संभावित उम्मीदवार ज्यादा है जिस कारण से नामों पर सहमति नहीं बन पाई है।

बीजेपी के लिए सबसे ज्यादा चुनौती अंबिकापुर विधानसभा सीट है। यहां से कांग्रेस के दिग्गज नेता और राज्य के उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव चुनाव लड़ते हैं। बीजेपी इस बार यहां नए कैंडिडेट को मौका देना चाहती है। टीएस सिंहदेव ने हाल ही में इस बात को नकार दिया था कि बीजेपी के पास अच्छे उम्मीदवार नहीं हैं। उन्होंने कहा था कि बीजेपी के पास भी अच्छे प्रत्याशी हैं।

कहां फंसा है पेंच

विधानसभा चुनाव के लिए इस बार बीजेपी ने सबको चौंकाते हुए उम्मीदवार की घोषणा कर दी। माना जा रहा है कि बीजेपी ने अभी जिन पांच सीटों के लिए उम्मीदवार घोषित नहीं किए हैं वहां पार्टी नए चेहरे की तलाश कर रही है। कई नामों पर मंथन चल रहा है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि जल्द ही बीजेपी इन बची हुई सीटों के लिए भी उम्मीदवार घोषित कर देगी।

वो सीटें जहां है नए चेहरों की तलाश

बीजेपी ने जिन पांच विधानसभा सीटों के लिए उम्मीदवार घोषित नहीं किए हैं उनमें से बेलतरा, बेमेतरा, पंडारिया, कसडोल और अंबिकापुर विधानसभा सीटें हैं। बेलतरा विधानसभा सीट बिलासपुर जिले की सीट है। 2018 में इस सीट से बीजेपी के रजनीश कुमार सिंह ने जीत दर्ज की थी। वहीं, बेमेतरा जिले की बेमेतरा विधानसभा सीट पर कांग्रेस का कब्जा है। बीजेपी ने 2018 में यहां से अवधेश सिंह चंदेल को उम्मीदवार बनाया था। कबीरधाम जिले की पंडारिया विधानसभा सीट के लिए भी बीजेपी ने उम्मीदवार घोषित नहीं किया है। यहां पार्टी नए चेहरे की तलाश में है। कसडोल विधानसभा सीट बालौदा बाजार जिले में आती है। इस सीट से 2018 में कांग्रेस को जीत मिली थी। वहीं, अंबिकापुर विधानसभा सीट को कांग्रेस का गढ़ माना जाता है। यहां से टीएस सिंहदेव चुनाव लड़ते हैं।

भूपेश बनाम मोदी के बीच कहां फिट होते हैं रमन

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़ में इस बार चुनाव भूपेश बनाम मोदी का आभास करा रही है। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बार-बार छत्तीसगढ़ आने से ऐसे संकेत मिलने लगे थे कि इस बार चुनाव की पूरी कमान भाजपा के ट्रबल शूटर अमित शाह के हाथ में है। पार्टी ने इसके बाद अपने राष्ट्रीय उपाध्यक्षों को भी छत्तीसगढ़ भेज दिया। इससे भी ऐसा लगने लगा था कि पूर्व मुख्यमंत्री को हाशिए पर डालने की कोशिश की जा रही है। पर टिकट वितरण का गणित बताता है कि यह सब एक छलावा मात्र था। छत्तीसगढ़ में भाजपा डॉ रमन सिंह को इग्नोर करने का खतरा नहीं उठा सकती यह टिकट वितरण से ही साफ हो गया है। डॉ रमन सिंह को उनकी सीट राजनांदगांव से पुनः प्रत्याशी बनाने के साथ ही उनके तीन कार्यकाल के कैबिनेट के 16 पूर्व मंत्रियों को भी चुनाव मैदान में उतारा गया है। इनमें आठ पूर्व मंत्री ऐसे हैं, जो पिछला विधानसभा चुनाव हार गए थे। इसके साथ ही केंद्रीय राज्यमंत्री रेणुका सिंह, सांसद गोमती साय, सांसद व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अरुण साव, सांसद विजय बघेल और पूर्व केंद्रीय मंत्री विष्णुदेव साय को भी चुनावी मैदान में उतार दिया गया है। दरअसल, 2018 का चुनाव भाजपा भले ही बुरी तरह हारी हो, पर इससे डॉ रमन सिंह के कद को कम करके नहीं आंका जाना चाहिए। वे छत्तीसगढ़ के प्रथम निर्वाचित मुख्यमंत्री थे। उन्होंने लगातार तीन कार्यकाल तक छत्तीसगढ़ की बागडोर संभाली। केन्द्रीय राज्यमंत्री रहते हुए उन्होंने छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष की जिम्मेदारी स्वीकार की थी। तब प्रदेश में पूर्व आईएएस अधिकारी अजीत जोगी की सरकार थी। जोगी प्रशासकीय निपुणता और सख्ती के साथ सरकार चला रहे थे। 2003 के पहले चुनाव में रमन के नेतृत्व में भाजपा ने 50 सीटें जीतकर सरकार बनाई। रमन सिंह प्रदेश के प्रथम निर्वाचित मुख्यमंत्री बन गए। तब भी वे सांसद थे। 7 दिसम्बर 2003 में शपथ लेने के बाद उन्होंने जनवरी 2004 में डोंगरगांव सीट से उपचुनाव लड़ा और विधायक बने। इसके बाद 2008, 2013 और 2018 में वे राजनांदगांव से लगातार चुनाव जीतते रहे हैं। कांग्रेस के हर फार्मूले को उन्होंने ध्वस्त किया। डोंगरगांव चुनाव में जहां उनका मुकाबला महिला प्रत्याशी गीता देवी सिंह से था वहीं राजनांदगांव से उन्हें उदय मुदलियार ने चुनौती दी। मुदलियार के झीरम में शहीद होने के बाद उनकी पत्नी अलका को रमन के खिलाफउतारा गया। सहानुभूति लहर के बावजूद रमन ने यह चुनाव लगभग 36 हजार वोटों से जीत लिया। प्रत्येक चुनाव में रमन पहले से भी ज्यादा अंतर से जीतते रहे। यहां तक कि 2018 में हुए चुनाव में उन्होंने भाजपा छोड़ कांग्रेस में शामिल हुई करुणा शुक्ला को भी लगभग 17 हजार मतों के अन्तर से हरा दिया। रमन इनमें से प्रत्येक चुनाव को सीधा मुकाबला बनाए रखने में सफल हुए। आज भी प्रदेश में वो भाजपा का सबसे बड़ा चेहरा हैं।

संपादकीय

युद्ध और समझदारी

इजरायल और हमास के बीच छिड़ी जंग ने लाखों लोगों को रोने-सिसकने पर मजबूर कर दिया है। गाजा में स्वास्थ्य मंत्रालय की सूचना के अनुसार, शनिवार से जारी इजरायली हवाई हमलों में कम से कम 770 फिलिस्तीन मारे गए हैं और 4,000 से अधिक घायल हुए हैं। सबसे आहत करने वाली बात यह है कि मृतकों में 140 बच्चे और 120 महिलाएं शामिल हैं। ठीक ऐसा ही इजरायल में भी हुआ है, वहां आतंकी संगठन हमास ने बड़े पैमाने पर बच्चों और औरतों को मारा है। एक बड़ा सवाल है कि इन बच्चों का क्या कुसूर था? गोद में खेलने की उम्र में उन पर मिसाइल बरस रहे हैं? युद्ध या हिंसा के शौकीनों को धिक्कार है! ऐसा कौन-सा धर्म है, जो मासूम बच्चों की मौत को किसी भी पैमाने पर जायज ठहरा दे? क्या यहूदी धर्म की पुस्तकें यह बताती हैं या मुस्लिम ग्रंथों में ऐसा कोई निर्देश है? दुनिया में छोटी-छोटी कागजी बातों पर लोगों के दिल आहत हो जाते हैं, पर 140 बच्चों की मौत से कौन-कितना आहत हुआ है? कहां है मानवता और मानवाधिकार? सवाल पूछना ही होगा। सबसे पहले धर्मगुरुओं से और उसके बाद राजनीतिक आकाओं से यह समझना होगा कि ऐसी हत्याएं भला कैसे जायज हैं? अगर ऐसी हत्याएं जायज हैं, तो फिर मजहबों के मानवीय होने का बखान बंद होना चाहिए। लगभग सत्तर साल से फिलिस्तीन के नाम पर जो खून-खराबा हो रहा है, इसके लिए कौन जिम्मेदार है? क्या इन इलाकों में दुश्मनियों को इंसानी रगों में पाला जाता है, ताकि मौका आने पर खून बहाया जा सके? क्या ऐसे इलाकों में युवा जवान ही इसलिए होते हैं कि इंसानियत को शर्मसार कर सकें? कोई ऐसे दाग-धब्बों के साथ अपने देश का इतिहास लिखता है क्या? कोई रोकने वाला नहीं है। कोई आतंकी हमास के साथ दिख रहा है, तो कोई इजरायल के लिए लुट-मिट जाने को बेताब है? दोनों तरफ के 1,600 से अधिक लोग मारे गए हैं। औपचारिक युद्ध की घोषणा हो चुकी है, लेकिन अभी तक किसी ने नहीं कहा कि युद्ध तत्काल रुकना चाहिए। यह इस दौर का दुखद पहलू है कि पुतिन का नया रूस भी यूक्रेन को निशाना बनाते हुए बच्चों को नहीं बख्शता है। जहां अपने और पड़ोसी के कल्याण की चिंता होनी चाहिए थी, वहां केवल बदले की भावना हावी है। बर्बरता बढ़ती जा रही है। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने उग्रवादी समूह को मलबे में फेंक देने की कसम खाई है। निर्ममता की पराकाष्ठा कर रहे आतंकियों की जगह मलबे में ही है, पर उन मासूम बच्चों, औरतों और आदमियों का क्या दोष, जो कहीं से भी आतंकी नहीं हैं, मगर निशाना बन रहे हैं? क्या मानव सभ्यता में आतंकवाद के खिलाफ कोई भी लड़ाई दोषी और निर्दोष के बीच भेद किए बिना सफल हो सकती है? हमास की जितनी निंदा की जाए कम है। जिस संगठन को बंदूक छोड़कर गाजा पट्टी के विकास में लगना चाहिए, वह संगठन धर्म-अधर्म के रास्ते ताकत सिर्फ इसलिए जुटाता है, ताकि इजरायल के शरीर पर पहले से कहीं गहरे छुरा धंसा सके? मोसाद बनाम हमास की लड़ाई मानो एक व्यवसाय बन गई है। दुनिया के चतुरतम देशों में शुमार इजरायल आखिर सबक क्यों नहीं लेता? स्वयं अपने देश में स्थायी शांति के प्रति गंभीर क्यों नहीं होता है? आज उसे स्थायी शांति के उपायों पर जोर देना चाहिए। आज दुनिया को ऐसे देशों की जरूरत है, जो इजरायल को सही दिशा में प्रेरित करें, ताकि पश्चिम एशिया के खूनी दलदल को हमेशा के लिए पाटा जा सके।

> औपचारिक युद्ध की घोषणा हो चुकी है, लेकिन अभी तक किसी ने नहीं कहा कि युद्ध तत्काल रुकना चाहिए। यह इस दौर का दुखद पहलू है कि पुतिन का नया रूस भी यूक्रेन को निशाना बनाते हुए बच्चों को नहीं बख्शता है। जहां अपने और पड़ोसी के कल्याण की चिंता होनी चाहिए थी, वहां केवल बदले की भावना हावी है। बर्बरता बढ़ती जा रही है।

फिर परमाणु अस्त्रों की होड़?

1980 के दशक के मध्य में मिखाइल गोर्बाचेव के सोवियत कम्युनिस्ट पार्टी का महासचिव बनने के साथ दुनिया में कुछ अप्रत्याशित-सा हुआ था। तनाव भरे शीत युद्ध में अचानक ऐसा बदलाव शुरू हुआ, जिससे परमाणु एवं अन्य हथियारों की होड़ पर विराम लगा और एक समय तो निरस्त्रीकरण की उम्मीदें मजबूत होने लगी थीं। लेकिन अब वह सारा ट्रेंड पलटता नजर आ रहा है। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से दुनिया में बढ़ते जा रहे तनाव के बीच यह आशंका पैदा हो गई है कि दुनिया को एक बार फिर परमाणु हथियारों की खतरनाक होड़ से गुजरना पड़ सकता है। पिछले हफ्ते रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने दो टूक कहा कि तीन दशक अब रूस फिर से परमाणु परीक्षण कर सकता है। इसका अर्थ होगा कि रूस परीक्षण प्रतिबंध मौजूदा संधि को तोड़ देगा। 1996 में पूर्ण परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि (सीटीबीटी) पर हस्ताक्षर के बाद अमेरिका और रूस दोनों ने परीक्षण करने बंद कर दिए थे। तब से दुनिया में दस परमाणु परीक्षण हुए हैं, लेकिन ये सभी उन देशों ने किए हैं, जिन्होंने बाद में परमाणु हथियार बनाने की क्षमता हासिल की। इस दौर में दो परीक्षण भारत ने किए। फिर पाकिस्तान ने भी दो परीक्षण किए। बाकी छह परीक्षण उत्तर कोरिया ने किए हैं। उधर अमेरिका ने अपना आखिरी परमाणु परीक्षण 1992 में किया था। चीन और फ्रांस ने 1996 में अपने आखिरी परीक्षण किए थे। रूस ने 1990 के बाद से कोई परमाणु परीक्षण अब तक नहीं किया है। लेकिन अब अंदेशा यह है कि बड़ी परमाणु शक्तियां फिर से परमाणु परीक्षणों की होड़ में उतर सकती हैं। जाहिर है कि अगर रूस ने परीक्षण किए, तो जवाब में अमेरिका भी ऐसा करेगा। विशेषज्ञों के मुताबिक परमाणु परीक्षण करने का मकसद सूचनाएं जुटाना और संकेत भेजना भी होता है। परीक्षणों के जरिये पता लगाया जा सकता है कि पुराने परमाणु हथियारों में कितना दम बचा है या नए हथियार कितने ताकतवर होंगे। इससे अधिक मारक हथियारों को बनाने का रास्ता खुलता है। यह निर्विवाद है कि यह एक खतरनाक दिशा है, जिसकी तरफ दुनिया बढ़ती दिख रही है।

इमोशनल कार्ड नाकाम हुआ

चूंकि धारा 370 हटाए जाने के बाद जनमत की पहली अभिव्यक्ति का मौका लद्दाख में ही आया, इसलिए इन चुनावों पर सारे देश की नजर थी। साफ है, वहां हुए इम्तिहान में भाजपा नाकाम रही। अब देखने की बात होगी कि क्या जम्मू-कश्मीर में नतीजा इससे अलग होगा? लद्दाख स्वायत्त पर्वतीय विकास परिषद- करगिल के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की बुरी हार का संदेश साफ है। धारा 370 को खत्म करने के साथ केंद्र की भाजपा सरकार ने वहां विकास की जो ऊंची उम्मीदें जताई थीं, वे जमीन पर नहीं उतरीं। यहां ये बात जरूर याद कर लेनी चाहिए कि अगस्त 2019 में उठाए गए उस कदम का लद्दाख में उत्साह से स्वागत किया गया था। लद्दाख वह इलाका है, जहां उसके पहले भी जम्मू-कश्मीर का हिस्सा होने को लेकर जब-तब असंतोष उभरता रहता था। लेकिन धारा 370 की समाप्ति के चार साल बाद वहां के लोगों का मोह भंग हो गया नजर आता है। इसके संकेत पहले से थे। संभवत: वहां बढ़ते गए असंतोष में कुछ भूमिका अप्रैल 2020 के बाद लद्दाख सीमा पर चीन की फौज के कथित अतिक्रमण की भी है। हालांकि भारत सरकार ने चीन की घुसपैठ की बात का बार-बार खंडन किया है, लेकिन लद्दाख के लोगों का प्रत्यक्ष अनुभव कुछ और है। उनकी भावनाएं कई बार मीडिया रिपोर्टों से जरिए सामने आई हैं। जिन इलाकों में चुनाव हुए, वहां बेशक मुस्लिम आबादी काफी है। लेकिन उन क्षेत्रों में बौद्ध और हिंदू आबादी भी है। इसलिए वहां से आए चुनाव नतीजों को सिर्फ मजहबी आधार पर हुए ध्रुवीकरण का परिणाम नहीं कहा जा सकता। अगर सिर्फ मुस्लिम मतदाता ही भाजपा के खिलाफ होते, उसे 26 निर्वाचित सीटों में से सिर्फ दो नहीं मिलतीं।

> नौवें पी-20 सम्मेलन में मूल रूप से पर्यावरण के लिए जीवनशैली, सतत विकास लक्ष्य, जलवायु परिवर्तन, महिला नेतृत्व के विकास तथा मानवता के साझा भविष्य से संबंधित विषयों पर चर्चा होगी। सतत विकास लक्ष्यों ने विश्व में समग्र मानव विकास की संकल्पना को साकार करने के प्रयासों को निश्चित ही गति प्रदान की है।

समाधान की तलाश में संसद सम्मेलन

ओम बिरला, अध्यक्ष, लोकसभा

भारत की अध्यक्षता में जी-20 शिखर सम्मेलन की अपूर्व सफलता और वैश्विक मुद्दों के समाधान की दिशा में भारत की अग्रणी भूमिका की समूची दुनिया में प्रशंसा हुई है। यह गौरव का विषय है कि इस सम्मेलन का समापन भी हमारी वसुधैव कुटुंबकम और 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' की अवधारणा को मजबूत करने वाले साझा घोषणापत्र से हुआ। विश्व स्तर पर भारत के प्रभाव का अनुमान इसी से हो जाता है कि संवेदनशील मुद्दों पर भी सबकी सहमति बनी है।

जी-20 शिखर सम्मेलन के परिप्रेक्ष्य में भारत के लिए गर्व और सम्मान का एक विषय यह भी है कि भारत की संसद को जी-20 देशों की संसदों के अध्यक्षों के सम्मेलन 'पी-20' की मेजबानी का मौका मिला है। दिल्ली में 13 व 14 अक्टूबर को हो रहे इस सम्मेलन में जी-20 देशों की संसदों के अध्यक्षों के अतिरिक्त आमंत्रित देशों की संसद के अध्यक्ष भी शिरकत करेंगे।

लोकतंत्र की जननी भारत में पी-20 सम्मेलन के आयोजन का महत्व इसलिए बढ़ जाता है, क्योंकि जी-20 में वैश्विक मुद्दों पर सर्वसम्मति मानवता के साझे भविष्य से जुड़ी है। हमारी संसद में भी जन-प्रतिनिधि व्यापक चर्चा के बाद एक सामूहिक दृष्टिकोण बनाते हैं। इससे चुनौतियों के साझे समाधान निकालने में हमें सहायता मिलती है। इसलिए पी-20 सम्मेलन में भी भारत की संसद, इन सभी देशों की संसदों को साथ लेकर विश्व और मानवता के समक्ष उपस्थित महत्वपूर्ण समसामयिक मुद्दों के समाधान के लिए एक साझा दृष्टिकोण विकसित करने के प्रयास करेगी।

नौवें पी-20 सम्मेलन में मूल रूप से पर्यावरण के लिए जीवनशैली, सतत विकास लक्ष्य, जलवायु परिवर्तन, महिला नेतृत्व के विकास तथा मानवता के साझा भविष्य से संबंधित विषयों पर चर्चा होगी। सतत विकास लक्ष्यों ने विश्व में समग्र मानव विकास की संकल्पना को साकार करने के प्रयासों को निश्चित ही गति प्रदान की है। जैसे-जैसे हम वर्ष 2030 के करीब पहुंच रहे हैं, इस पहल के तहत हासिल उपलब्धियों का आकलन करना और इन्हें साकार करने के प्रयासों में तेजी लाना और महत्वपूर्ण हो जाता है। सतत विकास के इन लक्ष्यों में कई ऐसे लक्ष्य हैं, जिनका असर देशों की सीमाओं में ही नहीं, बल्कि सार्वभौमिक होता है। जरूरत इस बात की है कि इन मुद्दों पर देशों की संसद में चर्चा व संवाद हो और सभी विरोधाभासों को समाप्त कर आम राय बने। राष्ट्रों की संप्रभुता बनाए रखते हुए इन मुद्दों पर तमाम देशों के बीच नीतिगत सहमति भी विकसित होनी चाहिए। तभी इसके बेहतर परिणाम दुनिया को मिल सकेंगे। ये परिणाम हासिल करने में हमारी संसदों की बड़ी भूमिका है। इसलिए पी-20 सम्मेलन में इस विषय पर विचार मंथन होगा।

सतत ऊर्जा : भारत ने विशाल जनसंख्या की चुनौतियों का मुकाबला करते हुए और विकसित देश बनने की आकांक्षा कायम रखते हुए अपनी विकास प्रक्रिया को हरित भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप ढालने का प्रयास किया है। आज भारत वैकल्पिक ऊर्जा के क्षेत्र में नेतृत्व की भूमिका में है। सरकार द्वारा अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन, अंतरराष्ट्रीय बायोफ्यूल गठबंधन जैसे नीतिगत फैसले लिए गए हैं, जिन्हें व्यापक वैश्विक समर्थन मिला है। हमारी संसद में भी पर्यावरण से संबंधित मुद्दों पर लगातार चर्चा हुई है। इसी संवाद के माध्यम से राजनीतिक मतभेदों से परे नवीकरणीय ऊर्जा के लिए नीति-निर्माण पर देश में आम सहमति का निर्माण हुआ है।

लैंगिक समानता : हमारी प्राचीन संस्कृति में नारी को शक्ति और भक्ति का स्वरूप माना गया है। स्त्रियों ने अपनी क्षमता और सामर्थ्य को सभी क्षेत्रों में साबित किया है, चाहे वह विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी हो, प्रतिरक्षा हो, अंतरिक्ष विज्ञान हो या खेल का मैदान हो। स्वतंत्रता के बाद संविधान ने महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए उन्हें मताधिकार सहित समानता के सभी अधिकार दिए। लोकतंत्र की हमारी यात्रा जैसे-जैसे आगे बढ़ी देश में स्त्रियों का राजनीतिक व आर्थिक सशक्तीकरण करते हुए उन्हें नेतृत्व के अवसर देने के नीतिगत निर्णय भी लिए गए। प्रारंभ में ग्राम पंचायतों तथा नगरपालिका स्तर के चुनावों में उनके लिए आरक्षण के कानून बनाए गए और अब उनके नेतृत्व की भूमिका को आगे बढ़ाते हुए उनके लिए लोकसभा व राज्य विधानसभाओं में भी आरक्षण के कानून बनाए गए हैं। खुशी की बात यह है कि इस कानून पर पूरे देश के राजनीतिक दलों के बीच आम सहमति रही है। हम पी-20 सम्मेलन में इस विषय पर भी अपने सकारात्मक अनुभव साझा करेंगे और महिला नेतृत्व के विकास को एक वैश्विक आंदोलन बनाने का प्रयास करेंगे।

डिजिटल प्लेटफॉर्म : हमारे लिए गौरव का विषय है कि भारत अपने नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए प्रौद्योगिकी के जरिये डिजिटल बदलाव लाने में विश्व में सबसे आगे है। दुनिया की सबसे बड़ी बायोमेट्रिक पहचान प्रणाली, आधार जैसी पहल ने सरकारी सेवाओं की पहुंच को सुव्यवस्थित कर दिया है। डिजिटल यूपीआई भुगतान में भारत ने नए कीर्तिमान बनाए हैं। स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, वित्त, बैंकिंग जैसे क्षेत्रों में डिजिटल प्रौद्योगिकी से करोड़ों भारतीयों के जीवन में आमूल-चूल बदलाव आया है। पी-20 शिखर सम्मेलन में हम अपनी इस युगांतरकारी उपलब्धि को विश्व की संसदों के साथ साझा करेंगे, ताकि डिजिटल परिवर्तन की भारतीय सफलता पूरे विश्व के लिए आदर्श बने। कठिन चुनौतियों के बावजूद हमने नागरिकों के सामाजिक आर्थिक जीवन में बदलाव लाने वाले बड़े फैसले किए हैं। इसके अतिरिक्त चाहे हमारी चंद्रमा मिशन की सफलता हो या वित्तीय समावेशन की विशेषज्ञता हो, हम अपनी उपलब्धियों को विश्व के साथ साझा कर रहे हैं, क्योंकि विश्व को एक परिवार मानने की हमारी संस्कृति रही है।

अपनी लोकतांत्रिक यात्रा में आज हम जिस पड़ाव पर हैं, उसमें हमारी संसद की बड़ी भूमिका रही है। इसने व्यापक चर्चा के बाद लोक-कल्याणकारी कानून बनाए हैं, नीतियों के निर्माण में जनता के हितों को ऊपर रखा। बहुदलीय व्यवस्था होने के बाद भी हमने इन मुद्दों पर आम सहमति बनाई है। इस प्रकार, हमारी संसद ने विश्व के आगे सार्थक संवाद का एक मॉडल प्रस्तुत किया है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि जिस प्रकार जी-20 सम्मेलन में वैश्विक चुनौतियों पर सर्वसम्मति बनी, उसी प्रकार पी-20 सम्मेलन भी समकालीन वैश्विक चुनौतियों के समाधान में संसद की अनिवार्य भूमिका को रेखांकित करेगा तथा वैश्विक विषयों पर संसदों के बीच सहयोग के एक नए युग का सूत्रपात करेगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

महिलाओं के कम काम और कमाई पर शोध को नोबेल

मदन सबनविस, वरिष्ठ अर्थशास्त्री

अर्थशास्त्र के लिए दुनिया का सर्वोच्च सम्मान नोबेल जीतने वाली प्रसिद्ध अर्थशास्त्री क्लाउडिया गोल्डिन का काम बहुत विडंबनापूर्ण है। श्रम बाजारों में महिलाएं और लैंगिक समानता उनके अध्ययन का विषय है। यह भी विडंबना ही है कि सन् 1969 में अर्थशास्त्र के लिए नोबेल देने की शुरुआत हुई थी और अब तक केवल दो महिलाओं ने इसे जीता था : 2009 में एलिनोर ओस्ट्रोम और 2019 में एस्थर डुफ्लो। प्रोफेसर गोल्डिन को श्रम बाजार में महिलाओं की सफलता पर उनके अध्ययन के लिए सम्मानित किया गया है। श्रम बाजार में महिलाओं के रुझान और स्वरूप का उन्होंने गहराई से विश्लेषण किया है। उनका यह काम समय के अनुरूप है, क्योंकि लैंगिक भेदभाव समाप्त करना आज दुनिया भर के नीति-निर्माताओं का प्राथमिक लक्ष्य है।

आजकल लड़कियों की शिक्षा पर काफी संसाधन खर्च किए जाते हैं। हालांकि, इससे यह सुनिश्चित नहीं हो जाता है कि पढ़-लिखकर वे प्रभावी ढंग से श्रम बल में शामिल हो जाएंगी। अनेक लड़कियां नौकरी में आती तो हैं, पर बीच में ही करियर छोड़ देती हैं। यह सार्वभौमिक सच है और गोल्डिन ने दिखाया है कि लैंगिक अंतर जरूरी नहीं कि आर्थिक विकास से खत्म हो जाए, क्योंकि कई अर्थव्यवस्थाओं में बड़ी खामियां मौजूद हैं। महिलाओं के हित में सबसे पहले जिन चीजों को बदलने की जरूरत है, उनमें सामाजिक मानदंड प्रमुख हैं, जो रूढ़िवादी समाज में खास तौर से बाधा के रूप में काम करते हैं। लड़कियों के पूर्ण शिक्षित होने के बाद भी नौकरी करने में परंपराएं आड़े आ सकती हैं। देखा गया है, जैसे-जैसे पश्चिमी अर्थव्यवस्थाएं विकसित अवस्था में पहुंचीं, वैसे-वैसे श्रमबल में स्त्रियों का अनुपात बढ़ता गया, मगर एशियाई-अफ्रीकी देशों में ऐसा नहीं हुआ।

दूसरा बिंदु यह है कि जब तक कंपनियों में महिलाओं के कल्याण और

सुरक्षा के लिए कानून नहीं आए, तब तक नौकरियां पुरुषों की ओर जाती रहीं। यहां गोल्डिन ने गर्भ-निरोधक गोली की भूमिका पर जोर दिया है, जिससे स्त्रियों को शादी के बाद नौकरी जारी रखने में मदद मिली। तीसरा मुद्दा वेतन के मामले में लैंगिक अंतर का है। यह ऐतिहासिक रूप से सभी क्षेत्रों में लागू है। महिला व पुरुष के बीच वेतन का अंतर समय के साथ घटा तो है, पर घटने की गति धीमी रही है। इन बदलावों से सरकारें क्या सीख सकती हैं? सरकारों को लैंगिक समानता को प्राथमिकता देने से शुरुआत करनी चाहिए। लड़कियों के लिए शिक्षा एक जरूरी शर्त है। इसके बाद महिलाओं को बेहतर माहौल देने की जरूरत है। कारखानों को अनिवार्य रूप से क्रेच सुविधाएं भी प्रदान करनी चाहिए, ताकि मां बनने की वजह से स्त्रियों को काम न छोड़ना पड़े। 'घर से काम' की सुविधा महिला कर्मचारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए दी जा सकती है, ताकि वे बिना छुट्टी के लंबे समय तक काम कर सकें। अक्सर योग्य महिलाएं भी काम छोड़कर घर जाती हैं, तो फिर नहीं लौटती हैं, और कभी मजबूरी में लौटती भी हैं, तो उनका काम बदल जाता है। इसमें बदलाव की जरूरत है।

अंत में, सुरक्षा वजहों से कई क्षेत्रों या कार्यों को पुरुषों के लिए आरक्षित कर दिया गया है। यह खाद्य वितरण या सार्वजनिक परिवहन ड्राइविंग जैसी कम भुगतान वाली सेवाओं से संबंधित है; ये दोनों क्षेत्र पुरुषों का गढ़ बने हुए हैं। सरकारों को स्त्रियों के लिए विभिन्न भूमिकाओं में सुरक्षित रूप से काम करने और वित्तीय स्वतंत्रता का माहौल बनाने के लिए काम करना चाहिए।

क्या ऐसी पहल से मदद मिल सकती है? उत्तर है, हां। उदाहरण के लिए, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड ने कंपनियों के लिए अपने बोर्ड में कम से कम एक महिला निदेशक को रखना अनिवार्य कर दिया है। शीर्ष प्रबंधन में महिलाओं के लिए भी इसी तरह के कदम पर विचार किया जा सकता है, ताकि वे अन्य कामकाजी महिलाओं के लिए आदर्श बन सकें।

क्लाउडिया गोल्डिन को मिला नोबेल सम्मान दुनिया भर की सरकारों के लिए श्रम बाजार में महिलाओं की भागीदारी सुधारने के लिए प्रेरित होने का अवसर है। इससे न केवल विविधता और लैंगिक सशक्तीकरण में मदद मिलेगी, बल्कि मानव संसाधनों का भी हम बेहतर उपयोग कर पाएंगे।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

किसने बनाया हमास को हाईटेक हमलावर

पुष्परंजन

हमास और इस्राइल के बीच फुल स्केल वार का प्रभाव इंटरनेट तक फैल गया है। जेरूसलम पोस्ट की वेबसाइट पर साइबर हमलों में वृद्धि हुई है, जिसके कारण शनिवार से ही इस अखबार की वेबसाइट बंद हो गई है। जेरूसलम पोस्ट के प्रधान संपादक एवी मेयर ने एक ई-मेल में लिखा, 'कल सुबह युद्ध शुरू होने के बाद से हमें लगातार विनाशकारी साइबर हमलों का निशाना बनाया गया है। हम उनसे निपटने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने हमें कई बार हराया है।' एवी मेयर ने मेल में लिखा कि सही से जांच पर पता चल गया कि कौन जिम्मेदार था और वे कहां स्थित थे।

इजरायल में यहूदी समर्थक बहुत सारे मीडिया वाले साइबर हमलों के जिस तरह शिकार हुए हैं, उससे साफ पता चलता है कि हमास आज की तारीख़ में हाईटेक हो चुका है। हमास दो दशक पहले वाला लड़ाका संगठन नहीं है, जो मानव बमों के ज़रिये दहशत फैलाता था। वर्ष 2003 में रामल्ला, रफात और जेनिया की तंग गलियों में जब मैं मानव बम पर स्टोरी करने गया था, तब यह तसव्वुर में नहीं था कि कबीलाई जैसे दिखने वाले हमास लड़ाके दो दशक बाद, इजरायल पर रॉकेट की बौछार कर पूरी दुनिया को हिला देंगे।

हमास, हरकत अल-मुकावामा अल-इस्लामिया (इस्लामिक प्रतिरोध आंदोलन) की स्थापना 1960 के आरंभ में फिलिस्तीनी मौलवी शेख अहमद यासीन ने की थी। 1967 के छह-दिवसीय युद्ध के बाद यासीन के लड़ाकों ने इजरायल के कुछ हिस्से पर कब्जा कर लिया था। वेस्ट बैंक, गाजा और पूर्वी यरुशलम पर इस्राइल के कब्जे के खिलाफ यासीन ने दिसंबर, 1987 में गाजा में ब्रदरहुड की राजनीतिक शाखा के रूप में हमास की स्थापना की। तब पहला इंतिफादा जिसे आम भाषा में विद्रोह कह सकते हैं, हुआ था। हमास का उद्देश्य फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद (पीआईजे) का मुकाबला करना था। वर्ष 1988 में, हमास ने अपना चार्टर प्रकाशित किया, जिसमें इजरायल के विनाश और फिलिस्तीन में एक इस्लामी गणराज्य की स्थापना का आह्वान किया गया था।

वर्ष 2017 में हमास ने एक अंतरिम फिलिस्तीनी राज्य को स्वीकार कर लिया, लेकिन फिर भी उसने इजरायल को मान्यता देने से इनकार कर दिया।

हिंसा के लिए जिम्मेदार थे। दूसरा 'इंतिफादा' पहले से कहीं अधिक हिंसक था। लगभग पांच साल के विद्रोह के दौरान, 4,300 से अधिक मौतें दर्ज़ की गईं। मार्च, 2002 में हमास द्वारा भयानक आत्मघाती बम विस्फोट में 30 लोग मारे गए, इस्राइली सेना ने वेस्ट बैंक और गाजा के कुछ हिस्सों पर फिर से कब्जा करने के लिए ऑपरेशन डिफेंसिव शील्ड शुरू किया। विगत 20 वर्षों से यही सब चल रहा है।

मगर, सवाल यह है कि हमास को इतना हाईटेक करने में दुनिया की किन शक्तियों का हाथ रहा है? और क्या ये तीसरा इंतिफादा था? नवंबर, 2022 में, संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी थी कि इस्राइल-फिलिस्तीनी संघर्ष फिर से उबलते बिंदु पर पहुंच रहा है। इजरायल में मिलिटरी इंटेलीजेंस के प्रमुख अमित सार ने भविष्यवाणी की थी कि वेस्ट बैंक (ग़ाजा नहीं) में हिंसा 2023 में इस्राइल की दूसरी सबसे बड़ी चुनौती होगी। सार संभवत: चूक गये कि हिंसा का अधिकेंद्र वहां से 93 किलोमीटर दूर गाज़ा होगा। सार को इस हमले की टाइमिंग का भी पता नहीं था। मतलब, इजरायल की मिलिटरी इंटेलिजेंस सर्विस फेल, देश से लेकर दुनिया भर में दबदबा बनाकर रखने वाली इजरायली खुफिया एजेंसियां शिन बेत और मोसाद भी फेल। उत्तर-पूर्व तेल अवीव में ही शिन बेत का हेडक्वार्टर है। तेल अवीव में भूमध्य सागर के तट पर अवस्थित याफो में मोसाद का मुख्यालय है। इस्राइल की इन तीनों एजेंसियों ने देश की नाक कटा दी, यह तो स्वीकार कर लेना चाहिए।

लगभग दो दशकों से भारत के शीर्ष चार हथियार आपूर्तिकर्ताओं में से एक इस्राइल रहा है। शनिवार वाले हमले के हवाले से सवाल है कि एक अरब डॉलर की सालाना सैन्य बिक्री पर क्या आंच आने वाली है? रक्षा उत्पादन और इंटेलिजेंस शेयरिंग में उभयपक्षीय सहयोग के पीछे इजरायल की खुफिया एजेंसियों की क्रेडिट को तेल अवीव जिस तरह भुनाता रहा, उसे हमास के हमले ने एक झटके में ग्राउंड ज़ीरो पर ला दिया। 2017 में प्रधानमंत्री मोदी की सुरक्षा के लिए इजरायल से प्रशिक्षित कुत्ते लाये गये। कश्मीर, उत्तर पूर्व से लेकर तेलांगाना, आंध्र के पुलिस अधिकारी इस्राइल प्रशिक्षण के लिए भेजे गये, वो सब मोसाद-शिन बेत के बढ़ते क़द का परिणाम था। लेकिन यह भ्रम टूट-सा गया।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

बसपा ने घोषित किए 17 उम्मीदवार

रायपुर। बहुजन समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत पोयाम ने आज यहां छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के लिए बसपा के 17 प्रत्याशियों के नाम की घोषणा की। यह बसपा प्रत्याशियों की दूसरी सूची है। बसपा इस बार छत्तीसगढ़ में ज्यादा से ज्यादा उम्मीदवार खड़े करने की रणनीति पर चल रही है। पिछले विधानसभा चुनाव में बसपा ने पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी की जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ के साथ चुनावी गठबंधन किया था। उस गठबंधन ने 7 सीटें जीती थीं। जिनमें पांच अजीत जोगी की पार्टी के खाते में गई और बसपा को दो सीटों पर संतोष करना पड़ा था। आज जारी सूची के अनुसार भटगांव से नरेंद्र साहू पत्थलगांव से इन्नोसेंट कुजूर सारंगढ़ से नारायण रत्नाकर धर्मजयगढ़ से सत्यावती राठिया, रामपुर से जगतराम राठिया,सरायपाली से जयनारायण किशोर, खल्लारी से सूफल साहू, कुरूद से लालचंद पटेल, पंडरिया से चैतराम राज, डोंगरगढ़ से बहादुर कुर्रे, भानुप्रतापपुर से जालम सिंग जुर्री, केशकाल से दिनेश कुमार मरकाम, कोंडागांव से गिरधर नेताम, बस्तर से रामधर बघेल, जगदलपुर से संपत कश्यप, बीजापुर से अजय कुडियम तथा कोंटा से मासा मडकामी को प्रत्याशी बनाया गया है। पहली लिस्ट में बिलासपुर जिले के मस्तूरी विधानसभा क्षेत्र से बसपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दाऊराम रत्नाकर, बेमेतरा जिले के नवागढ़ विधानसभा क्षेत्र से ओमप्रकाश बाजपेई, जांजगीर-चांपा से राधेश्याम सूर्यवंशी, सक्ती जिले के जैजैपुर से केशवप्रसाद चंद्रा, जांजगीर चांपा जिले के पामगढ़ से इंदु बंजारे, जांजगीर -चांपा जिले के अकलतरा से डॉक्टर विनोद शर्मा, सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के बिलाईगढ़ से श्याम टंडन, बिलासपुर जिले के बेलतरा से राजकुमार सूर्यवंशी और रामानुजगंज-बलरामपुर जिले के सामरी विधानसभा सीट से आनंद तिग्गा को प्रत्याशी घोषित किया गया था।

शासकीय अथवा अर्द्धशासकीय विश्राम भवनों, सर्किट हाउस, गेस्ट हाउस में नहीं कर सकेंगे राजनैतिक गतिविधियां

महासमुंद। भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली द्वारा विधानसभा आम निर्वाचन 2023 के लिये कार्यक्रम जारी किये जाने के साथ ही आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील हो गया है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री प्रभात मलिक द्वारा आदेश जारी किया गया है कि निर्वाचन की घोषणा होने की तिथि से निर्वाचन समाप्त की तिथि के मध्य कोई भी राजनैतिक दल के व्यक्ति, मंत्रीगण, सार्वजनिक उपक्रमों के पदाधिकारी आदि शासकीय अथवा अर्द्धशासकीय विश्राम गृह, उच्च विश्राम गृह आदि में चुनाव प्रचार-प्रसार अथवा राजनैतिक उद्देश्य से न तो ठहर सकेंगे और न ही वहां पर राजनैतिक गतिविधियां कर सकेंगे। पात्रतानुसार तथा उपलब्धता अनुसार उन्हें विश्राम गृह, उच्च विश्राम गृह आदि में कक्ष उपलब्ध कराया जाएगा, किन्तु इस हेतु निम्न कार्यवाही की जाएगी, जिसमें भोजन व्यवस्था न की जाये, ठहरने वाले व्यक्ति से निर्धारित राशि जमा कराकर विधिवत रसीद दी जाए, टेलीफोन हेतु पृथक रजिस्टर रखा जावे तथा किये गये काल की निर्धारित राशि तुरन्त प्राप्त कर ली जावे, ठहरने वाले का नाम, पता, ठहरने का प्रयोजन इत्यादि का समस्त ब्यौरा अंकित किया जावे। एक रजिस्टर रखा जावे, जिनमें आगन्तुक का नाम, पता, मोबाईल नम्बर इत्यादि का समस्त ब्यौरा अंकित किया जावे। एक व्यक्ति को अधिकतम 48 घंटे के लिए ही विश्राम गृह आरक्षण किया जाएगा। कक्ष आरक्षण की दशा में तीन से अधिक वाहन विश्राम गृह में संबंधित व्यक्ति को लाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

विस चुनावः पोलिंग बूथों में सीसीटीवी से होगी निगरानी, जिले में बढ़ गए 2.60 लाख मतदाता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव 2023 को लेकर आदर्श आचार संहिता लागू होते ही जिला प्रशासन के मुखिया ने एक प्रेसवार्ता लेकर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की है। कलेक्टर सर्वेश्वर भूरे ने बताया कि रायपुर जिले में 7 विधानसभा हैं. पिछले चुनाव से जिले में 2 लाख 60 हजार वोटर बढ़े हैं. जिले में 1869 मतदान केंद्र हैं. शहरी मतदान केंद्र ज्यादा हैं. एक मतदान केंद्र में औसत 1006 मतदाता हैं. जिले में 6 संवेदनशील मतदान केंद्र हैं. जिले में 18 वर्ष वाले 45 हजार मतदाता हैं. वहीं 22 साल वाले 1 लाख 10 हजार मतदाता हैं। कलेक्टर श्री भूरे ने बताया, 1869 मतदान केंद्र में से 934 में सीसीटीवी से मॉनिटरिंग होगी. जिले में 72 संगवारी मतदान केंद्र बनाए गए हैं।

69 फ्लाइंग स्कार्ट की टीम होगी. जिले में 140 लोगों की एक टीम है, जो राजनीतिक दलों की खर्च का आकलन करेगी. सर्वेश्वर भूरे ने बताया, इस बार जितनी भी मतदान केंद्र में रेड कोस्टिंग होगा, वह केंद्र सीसीटीवी से लैस रहेगा. 7 मतदान केंद्र आदर्श मतदान केंद्र 7 होंगे. जिले में पर्याप्त संख्या में ईटीवीएम उपलब्ध है. इस बार 69 स्टेरिक्स टीम बनेगी और घेरा बंदी करेंगे. नामांकन परिसर में फेम लिए जायेंगे. 7 विधानसभा के फेम करेंटर परिसर में लिए जाएंगे।

उन्होंने बताया, मतदान दल और एमर्जेसी सर्विसेज को पोस्टर बैलेट के माध्यम से मतदान कराया जाएगा. इसकी नई व्यवस्था है. बुजुर्गों के लिए 80 प्लस वाले लोगों के लिए दो लोगों का पोलिंग दल बनेगा. वीडियो ग्राफर, सुरक्षा कर्मी के साथ शेड्यूल दिया जाएगा. 935 मतदान केंद्रों में वेब कास्टिंग की जाएगी, सीओ आफिस में मॉनिटरिंग की जाएगी। छत्तीसगढ़ में होने वाले विधानसभा चुनाव की घोषणा और प्रदेश में लागू आदर्श आचार संहिता के मद्देनजर जिला प्रशासन के निर्देश पर नगर निगम ने जहां संपत्ति विरूपण की कार्रवाई तेज कर दी है तो वहीं पुलिस ने संदिग्धों की धरपकड़ शुरू कर दी है।

नगर निगम प्रशासन ने शहर भर में लगे राजनीतिक पोस्टर और बैनरों को उतार दिया। चौक-चौराहों पर लगे नेताओं के पोस्टर ढंकने के साथ ही दीवार लेखन को मिटाने सहित अन्य सभी प्रकार की चुनावी सामग्री हटाने की कवायद शुरू हो गई है। कलेक्टर डा. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने इस संदर्भ में बैठक लेकर जिले में धारा 144 लागू कर दी है तथा अस्त्र-शस्त्र धारण करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। ताकि विधानसभा निर्वाचन 2023 के दौरान चुनाव प्रक्रिया में असामाजिक तत्वों द्वारा भय और आतंक का वातावरण निर्मित कर शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष चुनाव में बाधा खड़ी न की जा सके तथा मतदाताओं में किसी भी प्रकार का भय पैदा न हो। वे भयमुक्त वातावरण में निर्भय होकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें।

जुलूस, आमसभा के लिए अनुमति जरूरी

निर्वाचन कार्यक्रम के साथ ही जुलूस आमसभा और धरना इत्यादि के लिए सक्षम अधिकारी से अनुमति लेनी होगी। जिले के भीतर कोई भी व्यक्ति या व्यक्तियों का समूह बिना सक्षम अधिकारी की अनुमति के न तो कोई सभा करेगा, न ही कोई रैली या जुलूस निकाल सकेगा तथा न ही कोई धरना देगा। इस आदेश का उल्लंघन करने वाले समूह/व्यक्ति के विरुद्ध धारा 188 भारतीय दण्ड संहिता के अंतर्गत कार्रवाई होगी।

पुलिस अलर्ट मोड पर

विधानसभा चुनाव की आचार संहिता लगते ही पुलिस अलर्ट हो गई है। एसएसपी के निर्देश के बाद जिले के समस्त थाना क्षेत्रों में फ्लिक्स चेकिंग पाइंट लगाकर सभी प्रकार के वाहनों की जांच की जा रही है। अवैध रूप से शराब परिवहन, चुनाव से संबंधित सामग्री सहित अन्य संदिग्ध वस्तुओं की सघन चेकिंग करने के साथ ही रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड में भी संदिग्ध व्यक्तियों के साथ सामान की चेकिंग की जा रही है।

विधानसभा निर्वाचन 2023 : आदर्श आचरण संहिता के प्रति प्रतिबद्धता आवश्यक - डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे

रायपुर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे ने कहा है कि सभी राजनीतिक दलों एवं अभ्यर्थियों को निर्वाचन आयोग की आदर्श आचरण संहिता के प्रति प्रतिबद्धता आवश्यक है तथा आदर्श आचरण संहिता के तहत दिए गए दिशा निर्देशों एवं मार्गदर्शन के अनुरूप ही चुनाव संबंधी सभी कार्यवाही संपादित की जानी चाहिए। विधानसभा निर्वाचन 2023 के संदर्भ में आज कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ भुरे द्वारा विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक कलेक्टोरेट परिसर स्थित रेडक्रास सभाकक्ष में ली गई। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री प्रशांत अग्रवाल उपस्थित थे। बैठक के दौरान आदर्श आचरण संहिता के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रतिनिधियों को उपलब्ध कराई तथा संहिता का आवश्यक रूप से पालन करने की अपेक्षा राजनीतिक दलों से की। कलेक्टर डॉ भुरे ने कहा कि नामांकन के समया किसी प्रत्याशी एवं उसके समर्थकों के तीन से अधिक वाहन आरओ/एआरओ कार्यालय क 100 मीटर के दायरे के भीतर नही आएंगे। मतदान के दिन प्रत्याशियों को केवल तीन वाहनों की संचालन की अनुमति होगी-एक स्वयं के लिए एक निर्वाचन अभिकर्ता के लिए और एक कार्यकर्ताओं के लिए। इन वाहनों के लिए अनुमति पत्र आरओ जारी करेंगे और यह अनुमति पत्र वाहनों के सामने शीशे पर प्रदर्शित किया जाएगा। प्रचार में लगे वाहन किसी भी स्थिति में तीन से अधिक के काफिले में नही चलेंगे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक राजनीतिक दल एवं अभ्यर्थी को जातीय, धार्मिक विषयों से बचकर अपना प्रचार-प्रसार करना चाहिए। वोट के लिए अपील करते समय धार्मिक स्थल या संस्थान का उपयोग नही किया जाए। कोई दल या प्रत्याशी स्वयं किसी की निजी संपत्ति पर (भवन, भुमि अथवा परिसर), झंडे, पोस्टर बैनर आदि उसकी पूर्वानुमति के बिना नही लगाएगा और न ही अपने समर्थको को ऐसा करने दें।

मतदाताओं को लुभाने एवं मतदान को प्रभावित करने वाले सामग्रियों पर करें सख्त कार्यवाही

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी तारन प्रकाश सिन्हा ने जिले में आदर्श आचार संहिता लागू होने के पश्चात प्रवर्तन कार्रवाई टीम की बैठक कलेक्टोरेट सभाकक्ष में ली। बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सदानंद कुमार भी उपस्थित थे। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सिन्हा ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशन में जिले में आज से आदर्श आचार संहिता लागू हो चुकी हैं। जिसके तहत रायगढ़ जिले में विधानसभा आम निर्वाचन के लिए आगामी 17 नवम्बर 2023 को मतदान की तिथि निर्धारित है। ऐसे में मतदाताओं को लुभाने, प्रभावित करने वाले सामग्रियों पर सख्ती से कार्यवाही करें।

जिससे जिले के विधानसभाओं में स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी और प्रलोभन मुक्त निर्वाचन का कार्य संपन्न हो सके।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सिन्हा ने आबकारी अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि रायगढ़ जिला ओडिशा बॉर्डर से लगा हुआ है, लिहाजा इन क्षेत्रों में प्राथमिकता के साथ सघन जांच की कार्यवाही करें। उन्होंने आबकारी विभाग को जिले में अवैध शराब परिवहन, भंडारण पर सख्त कार्यवाही के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि जिले के बॉर्डर से किसी भी प्रकार का अवैध परिवहन नहीं होना चाहिए। कलेक्टर श्री सिन्हा ने जीएसटी विभाग से जिले में स्थित वेयर हाउस, गोडाउन के संबंधित जानकारी लेते हुए गारमेंट्स, किचन सामग्री, स्पोर्ट्स समान के अवैध भंडारण की मौके स्थल पर जांच की कार्यवाही करें। उन्होंने रेलवे पुलिस को रेल द्वारा आगामी निर्वाचन को प्रभावित करने वाले सामग्रियों के परिवहन पर कड़ी निगरानी के साथ जांच कार्यवाही के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक रेल की जांच एवं राज्य की सीमा स्थित स्टेशनों पर मुस्तैदी के साथ चेकिंग की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि आगामी दिनों में त्योहारी सीजन प्रारंभ होने वाली है, लिहाजा व्यापारियों से जांच के नाम पर अनावश्यक परेशान न करते हुए कार्यवाही करें। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सिन्हा ने कहा कि जिला खनन क्षेत्र है, इसलिए प्रभावशील कार्यवाही जारी रखें। उन्होंने कहा सभी विभागों से कार्यवाही की रेगुलर रिपोर्टिंग करने के साथ आपसी समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए ताकि कार्यवाही में आसानी हो। उन्होंने कहा कि जिले में आगामी 21 से 30 अक्टूबर तक नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने का समय हैं। राज्य के प्रथम चरण में होने वाले विधानसभा से मार्गदर्शन लेने, शंकाओं एवं समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान सभी अधिकारी निर्वाचन का कार्य को प्राथमिकता से करें, किसी प्रकार के अन्य कार्यों की समीक्षा नहीं करेंगे। उन्होंने सभी अधिकारियों को कहा की कोई भी शासकीय गेस्ट हाउस, रेस्ट हाउस में राजनीति प्रतिनिधियों को बैठक, समीक्षा न हो यह सुनिश्चित की जाए। उन्होंने एसडीएम, तहसीलदार एवं राजस्व अधिकारियों के साथ नगरीय निकाय के अधिकारियों को राजनीतिक प्रचार-प्रसार से संबंधित पोस्टर बैनर को हटाने हेतु निर्देशित किया।

नवरात्र पर प्रज्वलित होंगे मनोकामना ज्योति कलश

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। भले ही हर तरफ अलग-अलग आधार बताकर मंहगाई के स्टार को बढ़ा हुआ दिखाया जा रहा है लेकिन आस्था का क्षेत्र ऐसा है जहां महंगाई कुल मिलाकर नतमस्तक है। 15 अक्टूबर से शुरू हो रहे आश्विन नवरात्र को इसका उदाहरण माना जा सकता है। अकेले कोरबा जिले में हजारों की संख्या में ज्योति कलश परज्वलित हो रहे हैं। बड़ी हुई शुल्क के बावजूद भक्तों की संख्या में बढ़ोतरी बताती है कि महंगाई से इसका कोई लेना-देना नहीं है। पिछले वर्षों की तुलना में अबकी बार अलग.अलग क्षेत्र में विभिन्न कारणों से सामानों की कीमतें बढ़ी हैं। चाहे सामान लाखों का होए हजारों का या फिर सैकड़ो का। इसलिए जीवन से संबंधित सभी क्षेत्र इससे प्रभावित हैं। यह भी सच्चाई है कि सरकारी सेक्टर में लगातार सुविधा बढ़ाई जा रही हैं और वह भी अलग.अलग स्तर पर। इन सब चीजों को अलग रख दिया जाए तो धर्म कर्म का क्षेत्र ऐसा है जहां पर लोगों की आस्था के आगे दूसरी चीज बिल्कुल नहीं टिकती। ऐसे में महंगाई भी कोई मसला नहीं रह जाता।

कोरबा जिले के सर्वमंगला, सिद्धीदात्री मंदिर देवपहरी, वैष्णो दरबार, भवानी मंदिर, महिषासुर मर्दिनी चतुर्गढ़, मड़वारानी, कंकालिन मंदिर दादर खुर्द, वनसरा देवी करतला और और आदिशक्ति मंदिर पहाड़ गांव ऐसे स्थान है जहां पर इस वर्ष भी नवरात्र पर लगभग 20000 ज्योति कलश प्रज्वलित किए जा रहे हैं। पहले के वर्षों में जहां ज्योति कलश की एक यूनिट की राशि 500 निश्चित थी अब वह बढ़कर 751 रुपए तक हो गई है। जबकि घृत ज्योति कलश के लिए आस्थावान लोगों को डेढ़ हजार रुपए अदा करने होंगे। इसके अलावा मंदिरों में कई प्रकार के अनुष्ठान किए जाने हैं जिनमें भी प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से लोगों की भागीदारी होना है। लोगों ने मुक्त हस्त से इस पर सहयोग करना जारी रखा है। जानकारी के अनुसार इस प्रकार के कार्यों में हर सीजन में बड़ी राशि खर्च की जाती हैं।

धान का विक्रय करने के लिए किसानों का पंजीकरण इस महीने के अंतिम तक

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। विधानसभा चुनाव की तिथि की घोषणा होने के साथ आचार संहिता प्रभावशील हो गई है। इन सब के बीच कोरबा जिले में धान खरीदी का काम भी होना है। प्राथमिक तैयारी काफी समय से चल रही है जानकारी के अनुसार समर्थन मूल्य पर धान का विक्रय करने के लिए किसानों का पंजीकरण इस महीने के अंतिम तक किया जाएगा।

अब तक की स्थिति में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन को लेकर नीति घोषित नहीं हुई है कि यह काम कब से शुरू होगा। दरअसल निर्वाचन आयोग के द्वारा छत्तीसगढ़ में दो चरण में चुनाव कराने की घोषणा की गई है पहले चरण में बस्तर संभाग में 7 नवंबर को वोटिंग होगी जबकि अन्य सभी स्थानों पर 17 नवंबर को दूसरे चरण में मतदान होगा। पिछले वर्ष प्रदेश में 1 नवंबर से समर्थन मूल्य पर धान का

उपार्जन सभी समितियां के अंतर्गत आने वाले केदो में किया गया था। पूरे 2 महीने तक इस काम को संपन्न किया गया इस दौरान पंजीकृत किसानों के द्वारा अपने खेतों में उत्पादित और राजस्व विभाग के द्वारा सत्यापित धान की मात्रा का विक्रय किया गया। अब जबकि विधानसभा चुनाव से संबंधित तैयारियां तेज हो गई हैं और उसमें बड़ी संख्या में सरकारी कर्मचारियों का नियोजन किया जा रहा है, इस दृष्टिकोण से ऐसा प्रतीत होता है कि इस बार धान खरीदी नवंबर में शायद ही शुरू हो सके।

माना जा रहा है कि निर्वाचन संबंधी प्रक्रिया होने के बाद ही धान खरीदी के काम को शुरू किया जा सकेगा। इससे पहले प्रशासन के निर्देश पर विभिन्न क्षेत्रों में राजस्व की टीमों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करने के साथ गिरदावरी का काम पूरा किया। फील्ड विजिट के साथ देखा गया कि जो किसान धान की फसल लेते हैं, उन्होंने इस बार कुल कितने रकबा में धान लगाई है। सत्यापन के आधार पर ही त्रिस्तरीय व्यवस्था के अंतर्गत किसानों से धान उपार्जित की जाएगी। सरकारी सूत्रों के मुताबिक फिलहाल खरीफ की फसल लेने वाले ऐसे किसान जो समर्थन मूल्य पर अपने उत्पाद का विक्रय करना चाहते हैं वे अनिवार्य रूप से 31 अक्टूबर तक की स्थिति में अपना पंजीकरण समितियां में कर सकेंगे। इस तिथि के बाद पंजीकरण का कार्य नहीं होगा। नहीं मिली प्रोत्साहन राशि अब जबकि वर्ष

ॐ साई राम
माँ पुस्तक भंडार
होलसेल में कापी-किताब एवं स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

हाई स्कूल और हायर सेकेण्डरी परीक्षा फार्म भरने की तिथियां घोषित

परीक्षार्थी सामान्य शुल्क के साथ 31 अक्टूबर तक भर सकेंगे परीक्षा फार्म

रायपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित हाई स्कूल और हायर सेकेण्डरी मुख्य एवं अवसर परीक्षा वर्ष 2024 के परीक्षा फार्म भरने की तिथियां घोषित कर दी है। सामान्य शुल्क के साथ परीक्षार्थी 31 अक्टूबर तक फार्म भर सकते हैं।

माध्यमिक शिक्षा मंडल से प्राप्त जानकारी के अनुसार सामान्य शुल्क के साथ फार्म भरने की तिथि 10 अक्टूबर से शुरू हो गई है। मंडल के सचिव प्रोफेसर व्हीके गोयल ने बताया कि परीक्षार्थी विलंब शुल्क के साथ 01 नवम्बर से 15 नवम्बर तक और विशेष विलंब शुल्क के साथ 16 नवम्बर से 31 नवम्बर तक परीक्षा फार्म भर सकते हैं। उन्होंने बताया कि स्वाध्यायी मुख्य एवं अवसर परीक्षा से संबंधित परीक्षार्थी शासकीय एवं अशासकीय अग्रेषण संस्थाओं के माध्यम से ऑनलाईन परीक्षा फार्म भर सकते हैं। इस संबंध में विस्तृत जानकारी मंडल की वेबसाईट www.cgbse.nic.in पर उपलब्ध है।

जन्मजात योद्धा थे विश्वनाथ पसायतः राज्यपाल हरिचंदन

रायपुर (ए)। राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन मंगलवार को ओडिशा के प्रसिद्ध स्वतंत्रता संग्राम सेनानी विश्वनाथ पसायत की 111वीं जयंती समारोह में वर्चुअली शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पसायत जन्मजात योद्धा और सच्चे नेतृत्वकर्ता थे। समाज के लोगो के लिए किया गया उनका योगदान कभी भुलाया नही जा सकता। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पसायत के 111वीं जयंती के अवसर पर विश्वनाथ पसायत और स्मारक समिति द्वारा केएम पब्लिक स्कूल भिवानी में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल हरिचंदन बतौर मुख्य अतिथि वीडियो कांफ्रेंसिग के माध्यम से शामिल हुए। उन्होंने पसायत की जीवनी और देश की आजादी के लिए उनके योगदान पर प्रकाश डाला। राज्यपाल ने कहा कि विश्वनाथ अपने छात्र जीवन से ही गरीबों, वंचितों और समाज के आर्थिक व सामाजिक रूप से कमजोर लोगो के हितो के लिए संघर्ष करते रहे। वे शुरू से ही ब्रिटिश सरकार को चुनौती देने वाले छात्र नेता थे। उन्होंने एक वकील के रूप में भी एक अलग पहचान बनाई । वे बड़ी संख्या में ऐसे मामलों में पेश हुए जहां स्वतंत्रता सेनानियों, पत्रकारों और गरीब लोगो को ब्रिटिश शासको व विभिन्न राज्यों के शासकों द्वारा फंसाया गया था। विश्वनाथ यूएसएसआर और अन्य देशों का दौरा करने वाले वकीलों के प्रतिनिधिमंडल के सदस्य थे। अपनी वापसी के बाद ''रूस भ्रमण'' नामक पुस्तक लिखी जो यात्रा अनुभवों पर पहली पुस्तकों में से एक थी। उन्होंने अपनी मृत्यु तक ''आधुनिक'' पत्रिका का सम्पादन भी किया। उनका निधन 52 वर्ष की अल्पायु में 27 दिसम्बर 1964 को हो गया था।

कर्म बिना शर्त के हो नहीं सकता और धर्म के लिए कोई शर्त नहीं हैः प्रवीण ऋषि

रायपुर (ए)। जीवन में समस्या का मुख्य कारण है प्रमाद। साधना मिलने के बाद भी, सौभाग्य भी दुर्भाग्य बन जाता है प्रमाद के कारण। विपरीत परिस्थितियों में दुर्भाग्य भी भाग्य बन जाता है अप्रमाद से। भय समाप्त होने के बाद भी रानी कमलप्रभा ने कुष्ठ रोगियों का साथ नहीं छोड़ा। अपने राज्य की सीमा पार करने के बाद भी रानी अपने बेटे श्रीपाल के साथ कुष्ठ रोगियों के साथ चलती रही। उपाध्याय प्रवर प्रवीण ऋषि लालगंगा पटवा भवन में श्रीपाल-मैनासुन्दरी का प्रसंग सुना रहे थे। उक्ताशय की जानकारी रायपुर श्रमण संघ के अध्यक्ष ललित पटवा ने दी। कथा आगे बढ़ाते हुए उपाध्याय प्रवर ने कहा कि धर्म अनकंडीशनल है। वहीं कर्म कंडीशनल है। बिना कंडीशन के कर्म का बंद नहीं होता है, और फल भी नहीं मिलता है। वहीं धर्म में कोई कंडीशन (शर्त) नहीं है। न तो उम्र की पाबंदी है, और न ही परिस्थिति की।

विधानसभा चुनाव 2023: चुनाव प्रचार में 40 लाख रुपये खर्च कर सकेंगे प्रत्याशी

रायपुर (ए)। विधानसभा चुनाव के मद्देनजर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को चुनाव आयोग के प्रविधानों की जानकारी दी। प्रतिनिधियों को बताया गया कि प्रत्येक विधानसभा में खर्च की अधिकतम सीमा 40 लाख रुपये है। खर्च का ब्यौरा भी निर्वाचन कार्यालय में प्रस्तुत करना होगा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबासाहेब कंगाले ने बैठक में आदर्श आचार संहिता, निर्वाचन व्यय, नामांकन दाखिले की प्रक्रिया और चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि निर्वाचन अवधि के दौरान वाहनों व रैलियों के लिए अनुमति लेना आवश्यक होगा। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थियों द्वारा नामांकन पत्र दाखिल करने के समय सावधानी बरतें। मतदान के दोनों चरणों में निर्वाचक नामावली में नाम जोड़े जाने की अंतिम तिथि पर भी दलों के सवालों का उन्होंने जवाब दिया। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के अधिकारियों ने बताया कि इस बार कानून में किए गए संशोधन के अनुसार निर्वाचन ड्यूटी में तैनात कर्मचारियों को केवल सुविधा केंद्र पर ही मतदान करना अनिवार्य होगा।

शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए प्रशिक्षण

विधानसभा निर्वाचन-2023 के दौरान विभिन्न माध्यमों से प्राप्त होने वाली शिकायतों के साफ्टवेयर के माध्यम से त्वरित निराकरण करने के लिए गुरुवार को प्रशिक्षण दिया जाएगा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के सभागृह में यह प्रशिक्षण मिलेगा। शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए तकनीक ईजाद की गई है। सभी नोडल अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे इस प्रशिक्षण में अनिवार्य रूप से मौजूद रहे।

अब नवरात्र व्रत में खा सकेंगे पिज्जा, होटलों में बदला मेनू परोसा जाएगा ये फलाहारी फूड

रायपुर (ए)। चाहे कोई भी त्योहार का मौका आए तो आपको कुछ नया खाना पसंद आता है। बात अगर पिज्जा की हो तो सभी के मुंह में पानी आ जाता है, लेकिन नवरात्र के चलते बहुत से लोगों को अपने पिज्जा खाने का प्रोग्राम नौ दिनों के लिए टालना पड़ता है। इस बार के नवरात्र में खास बात यह है कि होटलों द्वारा उपवास को ध्यान में रखते हुए फलाहारी पिज्जा भी परोसा जाएगा।

बताया जा रहा है कि यह पिज्जा सिंघाड़े के आटे का बना होता है। इसमें साबूदाना क्रिस्प्स भी मौजूद रहता है और लहसुन-प्याज का इस्तेमाल नहीं किया जाता। होटलों के साथ ही बहुत सी पिज्जा कंपनियों द्वारा इस नवरात्र में अपने मेनू में फलाहारी पिज्जा को शामिल किया जा रहा है। होटलों ने अपने मेनू में विशेष रूप से बदलाव करते हुए इसमें साबूदाने की खिचड़ी, साबूदाने का बड़ा, जूस, दूध, फ्रूट शेक आदि को शामिल किया है। मंजू ममता के संचालक मिकी दत्ता ने बताया कि नवरात्र के इन नौ दिनों तक उपवास करने वाले उपभोक्ताओं का विशेष ध्यान रखा जाएगा। इन उत्पादों के साथ ही उपभोक्ताओं की मांग के अनुसार अन्य फलाहारी आइटम भी उपलब्ध कराए जाएंगे। इससे नवरात्र में लोगों को सुविधा होगी।

फलाहारी मिक्सचर भी उपलब्ध

बाजार में अभी फलाहारी मिक्सचर भी आया हुआ है, इसे उपभोक्ताओं द्वारा काफी पसंद किया जाता है। फलाहारी मिक्सचर के साथ ही फलाहारी सेव भी उपलब्ध है।

छत्तीसगढ़ में मौसम का मिजाज बदला सुबह-रात हल्की ठंड तो दोपहर में तेज धूप

रायपुर (ए)। छत्तीसगढ़ से दक्षिण पश्चिम मानसून की विदाई हो चुकी है और अब मौसम शुष्क रहने लगा है। मौसम विभाग का भी कहना है कि आने वाले पांच दिनों में तापमान में कोई विशेष बदलाव नहीं होगा, उसके बाद मौसम का मिजाज थोड़ा बदलेगा और न्यूनतम तापमान गिरने से हल्की ठंड भी थोड़ी बढ़ेगी।

मानसून की विदाई होते ही अब मौसम का मिजाज पूरी तरह से बदल गया है और दोपहर को तेज धूप लगने लगी है। हालांकि न्यूनतम तापमान में गिरावट के चलते सुबह-सुबह और देर रात हल्की ठंड भी है। साथ ही अब दिन भी छोटी होने लगी है। मंगलवार को रायपुर का अधिकतम तापमान 35.0 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री ज्यादा और न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री ज्यादा रहा।

अक्टूबर आखिरी हफ्ते से बढ़ेगी ठंड

मौसम विज्ञानियों का कहना है कि अब दिन छोटी होने लगी है और रातें ज्यादा लंबी है। इसके साथ ही अधिकतम व न्यूनतम तापमान में विशेष बदलाव भी नहीं है। आने वाले दिनों में न्यूनतम तापमान में और गिरावट आएगी। अक्टूबर के आखिरी हफ्ते तक ठंड में भी बढ़ोतरी होगी। इस वर्ष पिछले वर्ष की तुलना में अच्छी ठंड पड़ने की उम्मीद है।

सार्वजनिक स्थलों से हटाई जा रही प्रचार सामग्रियां

रायपुर (ए)। विधानसभा निर्वाचन की घोषणा के बाद रायपुर जिला में भी आचार संहिता प्रभावशील हो गयी है। आचार संहिता के प्रभावी क्रियांन्वयन के अंतर्गत रायपुर शहर में संपत्ति विरुपण के लिए कार्रवाई शुरु कर दी गई है। इसके अंतर्गत सभी सरकारी कार्यालयों और परिसरों में सभी दीवार लेखन, पोस्टर, स्टीकर्स, कटआउट, होर्डिंग्स, बैनर, झंडे को हटाने की कार्रवाई शुरु कर दी गई है। इस हेतु जारी आदेश में किसी अन्य रूप में विरूपण आदि को चुनाव की घोषणा के साथ ही हटाया जा रहा है।

सभी सार्वजनिक स्थलों, जिनमें रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, हवाई अड्डे, रेलवे पुल, सड़क मार्ग, सरकारी बसें, बिजली, टेलीफोन के खंभे, नगरपालिका स्थानीय निकायों के भवन आदि सम्मिलित हैं, से अनाधिकृत राजनैतिक विज्ञापन, दीवार लेखन, पोस्टर, स्टीकर्स, कटआउट होर्डिंग्स, बैनर झंडे आदि निर्वाचन आयोग के निर्देश पर भीतर हटाए जा रहे हैं।

इसी प्रकार रायपुर शहर में विभिन्न स्थानों पर निजी संपत्तियों पर स्थानीय विधि और अदालत के निर्देशों के अधीन रहते हुये प्रदर्शित किए गए सभी अनधिकृत राजनैतिक विज्ञापन को जिला प्रशासन व नगर पालिक निगम द्वारा हटाया जा रहा है।

खुशहाली व तरक्की पसंद दुनिया की दुआ के लिए प्रेयर फेस्टिवल में झुकेंगे सर

रायपुर (ए)। राजधानी में 17 से 19 अक्टूबर तक होने वाले नेशनल प्रेयर फेस्टिवल की तैयारी अंतिम चरण में है। सेंट पॉल्स कैथेड्रल में चर्च ऑफ नार्थ इंडिया ने इसका आयोजन किया है। छत्तीसगढ़ डायसिस को देशभर के धर्म गुरुओं की अगवानी की मेजबानी का सौभाग्य मिला है। सीएनआई के मॉडरेटर द मोस्ट बिजय कुमार नायक व बिशप एसके नंदा की अगुवाई में प्रार्थना महोत्सव संपन्न होगा।

प्रेयर फेस्टिवल में देश के 27 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों की डायसिसों के बिशप, सीएनआई सिनड के पदाधिकारी व प्रतिनिधि शामिल होंगे। वे सभी 16 अक्टूबर को सेंट पॉल्स कैथेड्रल की प्रार्थना करते हुए परिक्रमा करेंगे। फेस्टिवल राजधानी के सभी डेनोमिनेशन के पादरी भी शामिल होंगे। छत्तीसगढ़ डायसिस के सचिव नितिन लारेंस, उपाध्यक्ष पादरी सुषमा सिंग व कोषाध्यक्ष अजय जॉन व कार्यकारणणी सदस्यों के नेतृत्व में गठित कमेटियों को विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। प्रवक्ता जॉन राजेश पॉल ने बताया कि मॉडरेटर नायक व बिशप नंदा ने प्रार्थना महोत्सव की तैयारी का जायजा लिया। सीएनआई को इस प्रार्थना महोत्सव से उम्मीद है कि पूरी दुनिया में बड़ा आत्मिक परिवर्तन देखने को मिलेगा, जो विश्व में समाजों से कुरीतियों व भ्रांतियों को मिटाकर शांति प्रिय, प्रसन्न, भेदभाव रहित, विकास गढ़ने वाले समाज का निर्माण करेगा।

10 बजे के बाद नहीं होंगे कार्यक्रम, डीजे पर भी रहेगा प्रतिबंध नवरात्र को लेकर प्रशासन ने जारी की गाइडलाइन

रायपुर (ए)। विधानसभा चुनाव के मद्देनजर आदर्श आचार संहिता लागू की जा चुकी है। ऐसे में नवरात्र से लेकर दशहरे का पर्व इस वर्ष आचार संहिता के साये में रहेगा। इसी बीच हर बार की तरह इस बार भी नवरात्र पर्व में ध्वनि विस्तारक यंत्रों के रात 10 बजे के बाद उपयोग नहीं करने के निर्देश दिए गए हैं। इस बार आचार संहिता की वजह से सख्ती करने की बात प्रशासन द्वारा की जा रही है। रात 10 बजे के बाद किसी भी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की अनुमति नहीं दी जाएगी। साथ ही सड़कों पर किसी भी हाल में पंडाल नहीं लगाए जा सकेंगे। कलेक्टर ने जगराता में गरबा जैसे आयोजन और डीजे के इस्तेमाल को लेकर भी निर्देश दिए हैं। जारी की गई गाइडलाइन के अनुसार रात 10 बजे के बाद डीजे या साउंड सिस्टम का इस्तेमाल नहीं हो सकेगा। यदि कोई आयोजन समिति रास गरबा या जगराता का आयोजन करती है, तो इसके लिए एडीएम की अनुमति जरूरी होगी।

आयोजकों को थाने में देनी होगी सारी जानकारी

यदि किसी आयोजन समिति की वजह से सड़क पर यातायात प्रभावित होता है या लोगों को परेशानी होती है, तो इसकी शिकायत मिलने पर आयोजकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। दुर्गा पूजा आयोजन समितियों को असामाजिक तत्वों और अस्त्र-शस्त्र का प्रयोग करने वाले लोगों की जानकारी फौरन संबंधित थाने में देनी होगी। आयोजकों को अपने समिति सदस्यों के फोन नंबर भी अपने क्षेत्र के थाने में देने होंगे।

सिर्फ राजधानी में सैकड़ों आयोजन

प्रदेश की राजधानी होने की वजह से यहां बड़े पैमाने पर जगराता और गरबा कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। बड़े गरबे के आयोजन लगभग 20 जगहों पर और तकरीबन सभी कालोनियों में भी विभिन्न प्रकार के आयोजन होते हैं। जहां रात के एक से दो बजे तक लोग गरबा नृत्य में लीन हो जाते हैं। इसके अलावा जगराता भी रात-रात भर चलता रहता है। यदि इस बार ऐसा हुआ तो आयोजकों के खिलाफ कार्रवाई भी की जाएगी।

दुर्गा पूजा गाइडलाइन को लेकर निर्देश

- मूर्ति की अधिकतम ऊंचाई आठ फीट होगी।
- मूर्ति स्थापना पंडाल में सीसीटीवी कैमरा लगाना अनिवार्य होगा।
- रात 10 बजे के बाद ध्वनि विस्तारक यंत्र प्रतिबंधित रहेंगे।
- प्लास्टर ऑफ पेरिस की मूर्तियां प्रतिबंधित।
- पंडाल का आकार 15 गुणे 15 फीट से अधिक नहीं होना चाहिए।
- पंडाल की वजह से गली या सड़क का यातायात प्रभावित न हो।
- मंदिरों में तय जगहों पर ज्योत जलेगी।
- धुमाल या बैंड का इस्तेमाल 200 वाट के साउंड सिस्टम पर पंडाल के 100 मीटर के भीतर होगा।
- मूर्ति विसर्जन के लिए अधिक वाहनों की अनुमति नहीं होगी, सिर्फ छोटे वाहन में प्रतिमा ले जा सकेंगे।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

अपने दिल और दिमाग की सेहत के लिए खाएं डार्क चॉकलेट

अगर आप डार्क चॉकलेट के शौकीन हैं तो आपके लिए यह खबर अच्छी है। अब आप अपनी पसंदीदा डार्क चॉकलेट का लुत्फ उठा सकते हैं और इसके साथ ही अपने स्वास्थ्य का भी पूरा ध्यान रख सकते हैं। क्योंकि नई रिसर्च से पता चला है कि डार्क चॉकलेट न सिर्फ आपके दिल को स्वस्थ रखने में मदद करती है, बल्कि यह आपके दिमाग को भी तेज और निरोगी बनाए रखने में कारगर है। इसलिए, अगर आप अपने दिल और दिमाग का ख्याल रखना चाहते हैं तो डार्क चॉकलेट आपको खाना चाहिए लेकिन यह जरूरी सवाल है कि कितना खाना चाहिए। आइए जानते हैं इसके बारे में।

दिल के लिए फायदेमंद

हाल ही में अमेरिका के बेलर कॉलेज ऑफ मेडिसिन द्वारा किए गए एक अध्ययन से पता चला है कि हफ्ते में कम से कम एक बार चॉकलेट खाने से दिल की बीमारियों से बचा जा सकता है। एक नए शोध में यह भी पाया गया है कि चॉकलेट में मौजूद पोषक तत्व अच्छे कोलेस्ट्रॉल के स्तर को बढ़ाने में मदद करते हैं।

शोधकर्ताओं के अनुसार, चॉकलेट में फ्लेवोनॉयड्स, पॉलीफेनॉल्स, मिथाइलजेनाथाइन और स्टीयरिक एसिड जैसे पोषक तत्व उच्च मात्रा में पाए जाते हैं, जो रक्तचाप को कम करने और रक्त प्रवाह को सुचारु बनाए रखने में मदद करते हैं।

स्ट्रेस को कम करता है डार्क चॉकलेट

हाल ही में किए गए एक शोध से पाया गया था कि डार्क चॉकलेट खाने से दिमाग तेज होता है। डार्क चॉकलेट में फ्लेवोनॉयड्स, एंटीऑक्सिडेंट्स और कैफीन जैसे तत्व पाए जाते हैं जो दिमाग को ऊर्जा देते हैं और न्यूरॉन्स के बीच संचार बढ़ाते हैं। डार्क चॉकलेट में फ्लेवोनॉल्स नामक तत्व दिमाग को शांत रखता है और याददाश्त और ध्यान को बेहतर बनाता है। इससे दिमाग में खून का बहाव अच्छा रहता है और स्ट्रेस कम होता है। डार्क चॉकलेट में एंटीऑक्सीडेंट होता है जो ब्लड प्रेशर को कम करके स्ट्रेस से राहत दिलाता है। इसलिए, डार्क चॉकलेट खाने से दिमाग स्वस्थ रहता है और स्ट्रेस भी कम होता है।

मेहरीन पीरजादा ने सुल्तान ऑफ दिल्ली में 60 के दशक का अपनाया लुक

मिलन लुथरिया की अपकमिंग थ्रिलर सुल्तान ऑफ दिल्ली में एक्ट्रेस मेहरीन पीरजादा ने सीरीज में पोल्का डॉट ड्रेस और सिल्क लॉन्गा स्कर्ट से लेकर बाउंसी बॉब हेयर-डॉस तक क्लासिक 60 के दशक का लुक अपनाया है।

शो में अपने लुक और स्टाइल के बारे में बात करते हुए मेहरीन ने कहा, मुझे सुल्तान ऑफ दिल्ली में मेरा लुक बहुत पसंद आया। मैं बालों के कलर को ध्यान में रखते हुए ब्लैक बालों का विग पहन रही थी क्योंकि उस समय बालों के कलर को लेकर ज्यादा क्रेज नहीं था।

एफ3: फन एंड फ्रस्ट्रेशन की एक्ट्रेस ने कहा, 50 और 60 के दशक के आउटफिट्स इतना कूल लुक देते थे। यह ऑड्रे और मर्लिन मुनरो से प्रेरित था जो मेरे लिए बहुत दिलचस्प था क्योंकि मैंने उनका बहुत सारा काम देखा है।

मेहरीन ने आगे साझा किया, मेरे कई लुक टेस्ट हुए क्योंकि मिलन सर लिप कलर या जूतों के प्रकार से खुश नहीं थे। पहले उन्होंने सोचा था कि संजना ब्राइट लिप कलर जैसे ज्यादातर रेड कलर पहने, लेकिन फिर उन्हें एहसास हुआ कि संजना जैसे किरदार के लिए जो बेहद मासूम है, न्यूट्रल कलर और नेचुरल मेकअप बेहतर रहेगा। तो बेस सिंपल लेकिन ट्रेंडी और फैशनेबल था।

अर्नब रे की किताब सुल्तान ऑफ दिल्ली: असेंशन पर आधारित, सीरीज रिलायंस एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित और मिलन लुथरिया द्वारा निर्देशित और सुपर्ण वर्मा द्वारा सह-निर्देशित और सह-लिखित है। सीरीज में ताहिर राज भसीन, अंजुम शर्मा, विनय पाठक, निशांत दहिया और अनुप्रिया गोयनका, मौनी रॉय, हरलीन सेठी और मेहरीन पीरजादा जैसे कलाकार हैं। सुल्तान ऑफ दिल्ली 13 अक्टूबर को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

लाल, पीली, नारंगी और काली शिमला मिर्च, कौनसी है ज्यादा फायदेमंद?

शिमला मिर्च का इस्तेमाल सब्जी से लेकर पिज्जा,नूडल्स पास्ता जैसे कई तरह की डिशेज में भी किया जाता है। शिमला मिर्च को खाने में डालने से वह न केवल स्वादिष्ट बन जाता है, बल्कि उसे देखने में भी बेहद आकर्षक बना देता है। शिमला मिर्च का हरा, लाल, पीला, रंग सब्जियों में मिलने से उन्हें रंग-बिरंगा और सुंदर बना देता है। शिमला मिर्च की अलग-अलग प्रजातियों में बेशकीमती पोषक तत्व छिपे हैं। जो हमारे शरीर को अंदर से मजबूत बनाते हैं। हरे, लाल, पीले, नारंगी और काला रंग की शिमला मिर्च, सभी में मौजूद विटामिन्स, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स हमारे लिए वरदान हैं।

सभी रंगों के शिमला मिर्च का अपने-अपने फायदे हैं

लाल शिमला मिर्च:- इसमें कैप्सैसिन और कैरोटीनोइड्स होते हैं, जो इसे मिर्ची और रंग देते हैं। ये एंटीऑक्सीडेंट का काम करते हैं और इम्यूनिटी बढ़ाते हैं।

हरी शिमला मिर्च:- इसमें विटामिन सी और क्लोरोफिल होता है, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं।

पीली शिमला मिर्च:- इसमें कैरोटीनोइड्स होते हैं जो आंखों के लिए लाभदायक हैं और रेटिना की सुरक्षा करते हैं।

काली शिमला मिर्च:- इसमें एंटीऑक्सीडेंट सबसे अधिक होते हैं जो कैंसर से लड़ने में मदद करते हैं।

नारंगी शिमला मिर्च:- इसमें बीटा कैरोटीन पाया जाता है जो इसे नारंगी रंग प्रदान करता है। बीटा कैरोटीन आंखों के लिए बहुत लाभदायक होता है। यह रेटिना को सुरक्षा देता है।

जानें कौन होता है ज्यादा फायदेमंद

लाल शिमला मिर्च में फाइटोन्यूट्रिएंट्स जैसे कि बीटा-कैरोटीन और विटामिन सी की मात्रा हरी शिमला मिर्च या अन्य शिमला मिर्च की तुलना में कहीं अधिक होती है। लाल शिमला मिर्च में बीटा-कैरोटीन की मात्रा हरी शिमला मिर्च से 11 गुना तक अधिक पाई जाता है। इसी तरह, लाल शिमला मिर्च में विटामिन सी की मात्रा भी हरी शिमला मिर्च से डेढ़ गुना तक अधिक होती है। दूसरी तरफ, हरी शिमला मिर्च में शुगर कम पाई जाती है। इसलिए, लाल शिमला मिर्च का सेवन पोषक तत्व के लिए अधिक फायदेमंद है।

गणपत ने रचा इतिहास

ऑफिशियल रिलीज से पहले 2 लाख ग्लोबल फैंस ने ट्रेलर किया लॉन्च

टाइगर श्रॉफ, कृति सेनन और मेगास्टार अमिताभ बच्चन स्टारर फिल्म गणपत : ए हीरो इज बॉर्न ने नया इतिहास रचा है। दरअसल, फिल्म के ऑफिशियल लॉन्च से पहले 2 लाख ग्लोबल फैंस ने एक साथ इसका ट्रेलर लॉन्च कर दिया।

इस लॉन्च ने ट्रेलर को बहुत कम समय में यूट्यूब पर नंबर 1 ट्रेंडिंग पर पहुंचा दिया। ट्रेलर को लेकर फैंस के उत्साह ने सोशल मीडिया पर हलचल पैदा कर दी।

गणपत का ट्रेलर लॉन्च सोशल मीडिया टेकओवर जैसा था। देश भर से फैंस इसे मॉन्यूमेंटल इवेंट बनाने के लिए एकजुट हुए।

हैशटैग फैंस लॉन्च गणपत ट्रेलर इंटरनेट पर चर्चा का विषय बन गया, न केवल भारत में बल्कि विश्व स्तर पर यह ट्रेंड करने लगा।

एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर टॉप 10 इंडियन ट्रेंड्स में से 8 गणपत से संबंधित ट्रेंड थे।

दो लाख से ज्यादा फैंस ने अपने-अपने सोशल मीडिया प्रोफाइल पर ट्रेलर लॉन्च किया। ट्रेलर को अलग-अलग ऑनलाइन प्लेटफार्मों पर 17 मिलियन से ज्यादा बार देखा गया। गणपत ने जो लोकप्रियता बटोरी वह न केवल उल्लेखनीय थी, बल्कि इससे पहले ऐसा कभी नहीं हुआ था।

साउथ फिल्म अदाकारा आशु रेड्डी अपनी बोल्डनेस की वजह से सुर्खियों में रहती हैं। खुद को पवन कल्याण की डाई हार्ड फैन बताने वाली अभिनेत्री हाल ही में ऑस्ट्रेलिया पहुंची। जहां अभिनेत्री ने क्वीन्सलैंड में समंदर किनारे सिजलिंग तस्वीरें क्लिक करवाई हैं। सामने आई तस्वीरों में अदाकारा समंदर किनारे रेत पर बैठकर बैकलेस ड्रेस में अपनी बैक फ्लॉन्ट करती दिखीं। अभिनेत्री आशु रेड्डी की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर आते ही छा गईं। इन तस्वीरों को देखने के बाद लोग साउदर्न ब्यूटी के हुस्न की तारीफें करते दिखे। आशु रेड्डी ने अपनी ऑस्ट्रेलिया वेकेशन की लेटेस्ट तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में अदाकारा बोल्ड तस्वीरें खिंचवाती दिखीं। अदाकारा आशु रेड्डी ने सामने आईं इन तस्वीरों में बैकलेस ड्रेस में फैंस को दीवाना बना दिया। सामने आई इन तस्वीरों में अदाकारा किलर पोज मारती दिखीं। अदाकारा आशु रेड्डी इन तस्वीरों में बैकलेस ड्रेस में किलर पोज खिंचवाती दिखी हैं। इन तस्वीरों में अदाकारा बैकलेस ड्रेस में सेक्सी बैक फ्लॉन्ट करती दिखीं। आशु रेड्डी ने इस दौरान ब्लू कलर की बैकलेस ड्रेस पहनी थी। जिसमें अदाकारा का कर्वी फिगर फैंस का दिल जीतकर ले गया। अदाकारा आशु रेड्डी सुपरस्टार पवन कल्याण की क्रेजी फैन है। पवन कल्याण की फैन आशु रेड्डी ने इन तस्वीरों में किलर पोज क्लिक करवाए। अदाकारा आशु रेड्डी की हर अदा पर उनके फैंस भी मर मिट जाते हैं। अदाकारा की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर आते ही वायरल होने लगती हैं। आशु रेड्डी सोशल मीडिया पर खासा एक्टिव रहती हैं। उनके इंस्टाग्राम पर 1.9 मिलियन फॉलोअर्स हैं। जाहिर है कि उनकी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर आते ही तहलका मचाती हैं।

दिन में एक बार भी बालों में कंघी न करने का जानें नुकसान

दिन में कितनी बार करनी चाहिए कंघी?

सुंदर और मोटे बाल हर किसी की इच्छा होती है। लेकिन इसके लिए बालों की देखभाल भी बहुत जरूरी है। अगर आप अपने बालों को मजबूत, घना और स्वस्थ रखना चाहते हैं तो केवल शैम्पू और कंडीशनर करने से काम नहीं चलेगा। बालों से जुड़ी हर छोटी बातों पर आपको ध्यान देना जरूरी है। जैसे बालों में कंघी करना। क्या आप जानते हैं कि दिन में एक बार भी बालों में कंघी न करने से बालों को नुकसान पहुंच सकता है। आइए जानते हैं दिन में कितनी बार बालों में कंघी करनी चाहिए ताकि बालों की सुंदरता बनी रहे।

बालों में दिन में कितनी बार कंघी करनी चाहिए जानें

बालों को स्वस्थ्य और अच्छा बनाए रखने के लिए कंघी करना जरूरी है। कंघी से बालों में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है, बाल मजबूत होते हैं और उलझन नहीं होती। यह बालों की चमक भी बढ़ाता है। दिन में कितनी बार बालों में कंघी करनी चाहिए, यह एक आम सवाल है। बालों को स्वस्थ रखने के लिए कम से कम दिन में दो बार कंघी जरूरी है। एक बार सुबह उठने पर और एक बार रात को सोने से पहले कंघी करनी चाहिए। इसके अलावा, बालों की लंबाई और जरूरत के हिसाब से आप दिन में अन्य समय पर भी कंघी कर सकते हैं। लंबे बाल जल्दी उलझ जाते हैं इसलिए इससे बचने के लिए दिन में कम से कम 3 बार कंघी करनी चाहिए। इससे बालों का टूटना और कमजोर होना रुक जाता है।

बालों में कंघी के फायदे

■कंघी करने से बालों की उलझनें दूर होती हैं और बाल सुंदर दिखते हैं

■यह बालों में ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाता है जिससे बालों की जड़ें मजबूत होती हैं।

■कंघी से बालों की मृत त्वचा हटती है और नए बाल आने का रास्ता साफ होता है।

■यह बालों में प्राकृतिक तेल का संचार करता है जिससे बाल चमकदार और मजबूत बनते हैं।

■कंघी करने से बालों में जमा धूल-मिट्टी और अन्य गंदगी निकल जाती है।

■यह स्कैल्प की सफाई करता है और रोगाणुओं से बचाता है।

■नियमित कंघी से बाल झड़ना कम होता है और तेजी के बाल बढ़ता है।

■कंघी से बालों में वॉल्यूम आता है और बाल घने दिखते हैं।

फिल्म टाइगर 3 से कैटरीना कैफ की पहली झलक आई सामने, हाथ में बंदूक लिए नजर आई जोया

सलमान खान और कैटरीना कैफ की फिल्म टाइगर 3 का फैंस को बेसब्री से इंतजार है। ये फिल्म सिनेमाघरों पर दिवाली के मौके पर दस्तक देने वाली है। टाइगर 3 का ट्रेलर भी जल्द ही रिलीज होने जा रहा है। ट्रेलर के रिलीज से पहले मेकर्स ने कैटरीना कैफ का लुक शेयर कर दिया है। कैटरीना का लुक काफी धांसू है। जिसे देखकर फैंस फिल्म को लेकर और एक्साइटेड हो गए हैं।

सलमान खान ने कैटरीना का लुक सोशल मीडिया पर शेयर किया है। जिसमें वह एक हाथ में बंदूक पकड़े नजर आ रही हैं और गोलियां बरसा रही हैं। वहीं दूसरे हाथ से उन्होंने रस्सी पकड़ी हुई है। कैटरीना का ये लुक शानदार है।

कैटरीना का लुक पोस्टर शेयर करते हुए सलमान खान ने लिखा- जोया। टाइगर 3 का ट्रेलर 16 अक्टूबर को आ रहा है। टाइगर 3 दिवाली पर हिंदी, तमिल और तेलुगू में रिलीज होगी।

सलमान खान के पोस्ट पर फैंस ढेर सारे कमेंट कर रहे हैं। एक फैन ने लिखा- ट्रेलर आने में 6 दिन बचे हैं। टाइगर और जोया। वहीं दूसरे ने लिखा- सलमान सर वेट नहीं हो रहा है अब टाइगर 3 का। एक ने लिखा- वाह सुपर्ब।

भगवंत केसरी: अर्जुन रामपाल के साथ एक्शन अवतार में नजर आए नंदमुरी

साउथ सुपरस्टार नंदमुरी बालकृष्ण इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'भगवंत केसरी' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। अभिनेता के जन्मदिन पर फिल्म का टीजर रिलीज किया गया था, जिसके बाद से दर्शकों को बेसब्री से फिल्म के ट्रेलर का इंतजार था। अब दर्शकों के इंतजार पर विराम लग चुका है, क्योंकि एक्शन से भरपूर फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो चुका है।

'भगवंत केसरी' का ट्रेलर नंदमुरी बालकृष्ण के किरदार के साथ शुरू होता है, जो अपनी भतीजी यानी अभिनेत्री श्रीलीला को मजबूत बनने और सेना में शामिल होने के लिए प्रेरित करते हैं। हालांकि, चाचा की सख्त प्रशिक्षण पद्धतियां श्रीलीला को रास नहीं आतीं। इस बीच भगवंत केसरी को एक शक्तिशाली बिजनेसमैन से मुकाबला करना

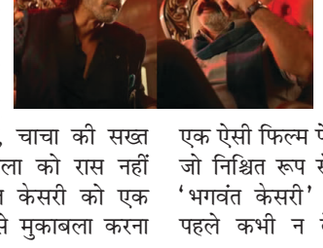

पड़ता है, जो खुद को अपने क्षेत्र में सबसे प्रभावशाली ताकत मानता है।

निर्देशक अनिल रविपुड़ी एक बार फिर एक ऐसी फिल्म पेश करने के लिए तैयार हैं, जो निश्चित रूप से लोगों को खुश करेगी। 'भगवंत केसरी' में नंदमुरी बालकृष्ण का पहले कभी न देखा गया अवतार नजर आएगा। ट्रेलर के दूसरे भाग में जहां नंदमूरी अपनी भतीजी को बचाने के लिए एक्शन मोड में आ जाते हैं। वह अपनी भतीजी के लिए ढाल बनते हुए और सबसे मजबूत होने का दावा करने वाले खलनायक अर्जुन रामपाल से भतीजी की रक्षा करते हुए दिखाई देते हैं। ट्रेलर में अर्जुन और नंदामुरी बालकृष्ण के बीच दमदार टक्कर दिखाई गई है। वहीं, ट्रेलर में काजल अग्रवाल बेहद खूबसूरत लग रही हैं।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

पेड न्यूज,राजनीतिक विज्ञापन सहित सोशल मीडिया पर चुनावी प्रचार की होगी मॉनिटरिंग

निष्पक्ष, पारदर्शी और शांति पूर्ण चुनाव कराना प्राथमिकताः सौरभ कुमार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिए कलेक्टोरेट सभाकक्ष में प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के प्रतिनिधियों की बैठक कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सौरभ कुमार की उपस्थिति में आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने बताया कि कोरबा जिले में विधानसभा निर्वाचन 2023 की घोषणा के साथ ही आदर्श आचरण संहिता तत्काल प्रभावशील हो गई है। जिले की चार विधानसभा क्रमशः 20-रामपुर, 21-कोरबा, 22-कटघोरा और 23-पाली-तानाखार के चुनाव हेतु 21 अक्टूबर को अधिसूचना जारी की जायेगी।

नामांकन की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर, नाम वापसी की अंतिम तिथि 02 नवंबर, मतदान की तिथि 17 नवंबर और मतगणना 03 दिसंबर को की जायेगी। विधानसभा चुनाव की संपूर्ण प्रक्रिया 05 दिसंबर तक पूर्ण होगी। उन्होंने कहा कि कोरबा जिले के सभी चारों विधानसभाओं

में निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण माहौल में निर्वाचन संपन्न कराना प्राथमिकता रहेगी।

कलेक्टर ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार कोरबा जिले के फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन 04 अक्टूबर को की गई थी। जिले में 1080 मतदान केंद्र है। 04 अक्टूबर की तिथि में मतदाताओं की संख्या विधानसभा रामपुर में 220896, कोरबा में 254743, कटघोरा में 214658, पाली-तानाखार में 228061 है। जिले में 459080 पुरूष मतदाता, 459238 महिला मतदाता, 40 ट्रांसजेंडर मतदाता, कुल मतदाता 918358 है।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सौरभ कुमार ने प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के प्रतिनिधियों को जिले में विधानसभा निर्वाचन के संबंध में की गई तैयारी की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि चारों विधानसभा क्षेत्र में चुनाव संपन्न कराने हेतु चुनाव आयोग के दिशा निर्देशानुसार टीम गठित करने के साथ प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

कलेक्टर ने बताया कि आदर्श आचरण संहिता लागू होने के साथ ही शासकीय खर्च से लगाये गये समस्त होर्डिंग व प्रचार सामाग्री हटाने की कार्यवाही जारी है। साथ ही साथ सार्वजनिक स्थानों पर लगाये गये समस्त प्रकार की प्रचार सामाग्री, फ्लेक्स, होर्डिंग को हटाये जाने की कार्यवाही जारी है। छत्तीसगढ़ कोलाहल नियंत्रण अधिनियम अंतर्गत निर्वाचन प्रायोजन हेतु लाउड-स्पीकर या किसी भी प्रकार के ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग रात्रि 10 बजे से प्रातः 06 बजे के मध्य प्रतिबंधित रहेगा। शासकीय/गैर शासकीय व निजी भवनों में भवन मालिक के अनुमति के बिना प्रचार संबंधी नारा लेखन या पोस्टर लगाना प्रतिबंधित होगा।

उन्होंने भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के लिये भारत निर्वाचन आयोग के मार्गदर्शी बिन्दुओं के अनुरूप आदर्श आचार संहिता, राजनीतिक विज्ञापन, पेड न्यूज, सोशल मीडिया आदि के माध्यम से प्रचार-प्रसार हेतु मापदंड की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। मीडिया प्रमाणन एवं अनुवीक्षण समिति द्वारा पेड न्यूज की मानिटरिंग की जायेगी। पेड न्यूज होने पर उसकी जानकारी समिति द्वारा रिटर्निंग आफिसर को दिया जायेगा। रिटर्निंग आफिसर द्वारा उम्मीदवार को नोटिस जारी किया जायेगा। जिले में गठित एमसीएमसी द्वारा इलेक्ट्रानिक मीडिया, केबल नेटवर्क, सोशल मीडिया आदि पर जारी किये जाने वाले विज्ञापनों की सत्त मानिटरिंग की जायेगी। विज्ञापन प्रकाशित होने पर जो भी खर्च है उसे अभ्यर्थी के खाते में जोड़ा जायेगा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सौरभ कुमार ने स्पष्ट किया कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार जिले में निर्वाचन का कार्य संपन्न कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान होने वाले तीज़-त्यौहारों में जिले के आम नागरिकों को किसी प्रकार की समस्या न हो और सामान्य जन-जीवन प्रभावित न हो इस दिशा में कार्य किए जाएंगे। उन्होंने अधिक मात्रा में नगदी न रखने एवं सामान लेकर चलने वाले व्यापारियों, आम नागरिकों को सामानों का बिल रखने तथा आवश्यक दस्तावेज भी साथ लेकर चलने के लिए कहा है। उन्होंने आदर्श आचरण संहिता के संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए निर्वाचन आयोग द्वारा इस बार मतदाताओं को अपने क्षेत्र के उम्मीदवार को जानने के लिए नो यॉर कैन्डिडेट मोबाइल ऐप, विभिन्न प्रकार की अनुमतियों के लिए सुविधा ऐप, निर्वाचन प्रक्रिया हेतु अधिकारियों-कर्मचारियों की ड्यूटी, दिव्यांग मतदाताओं हेतु उपलब्ध सुविधाओं आदि की जानकारी प्रदान की।

पीएम मोदी ने महिलाओं को दिया संवैधानिक अधिकार हमारे लिए गौरव का विषय - सीमा संतोष साहू

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भाजपा महिला मोर्चा द्वारा आज जिला कार्यालय एकात्म परिसर में रायपुर उत्तर विधानसभा स्तरीय नारी शक्ति सम्मेलन का आयोजन किया गया आयोजित कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लाए गए नारी शक्ति वंदन विधेयक के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद ज्ञापित करना था महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष सीमा संतोष साहू के नेतृत्व में आहूत विधानसभा स्तरीय सम्मेलन में उन्होंने उत्तर विधानसभा की महिलाओ को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा की 75 वर्ष की आजादी के पश्चात आज यह प्रथम अवसर है जब केंद्र की सरकार ने महिला सशक्तिकरण के लिए असल मायने में अनुकूल कदम उठाए इसके पूर्व में भी बहुत सी सरकारें आईं और गई बड़े बड़े विज्ञापन चलते की लड़की लड़का एक समान परंतु किसी ने भी नारियों के सशक्तिकरण के लिए संविधान सम्मत अधिकार देने का कार्य नहीं किया परंतु प्रधानमंत्री मोदी ने जब से भारत की कमान संभाली शनैः शनैः नारियों के हित में कदम उठाए प्रत्येक सरकारी सुविधाओं हेतु परिवार के मुखिया का अधिकार महिलाओ के हक में रखा आज महिलाओ का अधिकार और रूतबा चहुओर बढ़ा है और अब संवैधानिक अधिकार महिलाओ को दिए गए आज मोदी जी ने महिला आरक्षण के माध्यम से नारी शक्ति वंदन किया और आज हम सभी महिलाएं प्रधानमंत्री जी का अभिनंदन करती हैं की हमे आपने संवैधानिक रूप से सहभागिता करने का अधिकार दिया है जिसके लिए हम आपके आभारी हैं। जिला भाजपा अध्यक्ष जयंती पटेल और उत्तर विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी पुरंदर मिश्रा ने भी मंच से उत्तर विधानसभा की महिलाओ को संबोधित किया एवं प्रधानमंत्री द्वारा संसद में विधेयक लाकर महिला सशक्तिकरण हेतु संविधान सम्मत अधिकार प्रदान करने हेतु साधुवाद एवं धन्यवाद प्रेषित किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष मनीष चंद्राकर ,नगर निगम नेता प्रतिपक्ष श्रीमती मीनल चौबे, श्रीमती प्रभा दुबे, ललिता यादव, वेणुका शुक्ला सहित बड़ी संख्या में महिलाओं की उपस्थित रही।

खास खबर

कांग्रेस में कहीं विरोध की बात नहीं है- दीपक बैज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में प्रत्याशियों के चयन के लिए प्रदेश चुनाव समिति की बैठक आज एक बार फिर राजीव भवन में जारी है। बैठक में शामिल होने पहुंचे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने मीडिया से चर्चा में कई बातों का खुलासा किया। प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने बैठक को लेकर कहा कि आज प्रदेश चुनाव समिति की बैठक है। बैठक में बहुत सारे निर्णय होंगे। 13 अक्टूबर को 4 बजे केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक है। 13 को हमारी सूची फाइनल होगी। कांग्रेस की सूची में लेट लतीफी को लेकर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि हम सूची जारी करने में लेट नहीं हैं। सही समय में हम सही सूची जारी करेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा की सूची में कोई नया नहीं है। 2018 में जनता ने उन्हें नकारा है। सूची आने के बाद भाजपा और उनके कार्यकर्ता मायूस हैं, भाजपा हार मान चुकी है। हम 75 प्लस सीट जीतेंगे।

कलेक्टर ने ली समय सीमा की साप्ताहिक बैठक

कोरबा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सौरभ कुमार ने समय सीमा की साप्ताहिक बैठक में सभी शासकीय अधिकारी-कर्मचारियों को आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिए कार्यक्रम जारी होने के साथ ही प्रदेश में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है जो निर्वाचन प्रक्रिया पूरी होने तक जारी रहेगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्देशित किया कि चुनावी प्रचार-प्रसार के लिए शासकीय संपत्तियों का उपयोग नहीं होना चाहिए। निजी संपत्तियों के उपयोग के लिए संपत्ति धारक से पूर्व अनुमति जरूरी होगी। उन्होंने समय -सीमा के भीतर संपत्ति विरूपण की कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने संपत्ति विरूपण, सरकारी वाहनों की वापसी, जिले में स्वीकृत एवं प्रगतिरत, प्रारंभ-अप्रारंभ कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने नाम-निर्देशन हेतु कक्ष में आवश्यक व्यवस्था, स्ट्रांग रूम में साफ-सफाई, विद्युत, पेयजल, फर्नीचर आदि की आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

विधान सभा आम निर्वाचन 2023 : अधिकारी-कर्मचारियों के अवकाश पर प्रतिबंध

मोहला। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी एस जयवर्धन ने विधानसभा निर्वाचन 2023 को दृष्टिगत रखते हुए अधिकारी कर्मचारियों के अवकाश पर प्रतिबंधित आदेश जारी किया है। जारी आदेशानुसार अति आवश्यक होने पर कार्यालय प्रमुख जिन्हें सामान्य स्थिति में अवकाश स्वीकृत करने की अधिकारिता है, के द्वारा 01 दिवस का आकस्मिक अवकाश स्वीकृत किया जा सकेगा। अपितु मुख्यालय छोडने की अनुमति नहीं दे सकेंगे। 01 दिवस से अधिक अवकाश स्वीकृत एवं मुख्यालय छोडने की अनुमति हेतु कार्यालय प्रमुख की अनुशंसा सहित मूल आवेदन पत्र जिला कलेक्टर कार्यालय को प्रस्तुत किया जाएगा।

भाजपा ने 15 साल पट्टा नहीं दिया, कांग्रेस ने लोगों को घर और छत दिया - विकास उपाध्याय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय सचिव विकास उपाध्याय ने राजीव भवन में पत्रकारों से चर्चा करते हुये कहा कि कांग्रेस सरकार ने शहरी जनता के लिये और राजधानी के लिए अभूतपूर्व काम किया है। राज्य सरकार की योजनाओं को लेकर स्वामी आत्मानंद स्कूल, धनवंतरी मेडिकल, शहरी स्वास्थ्य योजना से लोगों को लाभ मिल रहा है। कांग्रेस की सरकार ने इस वर्ष 25 हजार से ज्यादा पट्टा वितरण किया। भाजपा 15 साल तक सरकार में रही किसी को पट्टा नहीं दिया। कांग्रेस की सरकार ने 1979 से आज तक 1 लाख से अधिक पट्टा वितरण कर चुका है। सन् 1979 में 10 साल के लिए 10 हजार लोगों को पट्टा दिया, 1984 में 30 साल के लिये 30 हजार लोगों को पट्टा दिया, 2002 में 30 साल के 40 हजार लोगों को पट्टा दिया, 2023 में भूपेश बघेल की सरकार ने 25 हजार लोगों को पट्टा। ये पट्टा 2028 तक वैलिड रहेगा।

भाजपा के नेता, कार्यकर्ता सभी ने पट्टा लिया। पट्टा वितरण में फोटो भी खिचवाते है। पट्टा लेकर लोगों को गुमराह करने का काम कर रहे है। भाजपा सरकार 15 साल में लोगों के घरों में बुलडोजर चलवाने का काम करते करते रहे लेकिन किसी को पट्टा नहीं दिया। राजीव भवन में पत्रकारों से चर्चा करते हुए प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि रमन सरकार में बनी गुणवत्ताहीन एक्सप्रेस-वे को पुनः मजबूत एवं गुणवत्ता युक्त निर्माण करवाया गया। इंदिरा

प्रियदर्शिनी महिला सहकारी बैंक में डूबे खातादारों की पैसा की वसूली। आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोला। अनियमित निर्माण का नियमतीकरण। गुमास्ता को लाईफटाईम किया। मोर जमीन मोर मकान योजना। मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत हितग्राहियों को 1-1 लाख रुपये प्रदान। मुख्यमंत्री शहरी स्लम चिकित्सा योजना हमर लैब हमर अस्पताल, धनवंतरी मेडिकल स्टोर्स।

बिजली बिल हाफयोजना। छोटे भूखंड 5 डिसमिल तक की रजिस्ट्री में लगी रोक हटाई। गाइडलाइन दरों में 30 प्रतिशत कटौती विगत 5 वर्षों से लगातार जारी। किसी भी प्रकार से मकान एवं प्रापर्टी कर में वृद्धि नहीं किया गया। सुरक्षा के दृष्टि से चौक चौराहों पर सीसी कैमरा लगाया गया। गोलबाजार के व्यापारियों को मालिकाना हक दिया। किसी के भी दुकान एवं मकान में तोड़-फोड़ नहीं की गई। भाजपा सरकार में जो विस्थापित दुकानदार मकान मालिक थे सभी का पुनर्वास किया गया। नगर निगम क्षेत्र को टैक्स मुक्त किया गया।

पीएम मोदी 9, रमन के 15 साल पर कांग्रेस के 5 साल भारी -कांग्रेस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि कांग्रेस अपनी सरकार के पांच साल के कामों और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की विश्वसनीयता को आधार बनाकर चुनाव में जनता के बीच जायेगी। इस चुनाव में कांग्रेस के 5 साल बनाम मोदी के 9 साल रमन के 15 साल भी चुनावी मुद्दा होंगे। भाजपा कुछ भी कहे लेकिन जनसरोकारों के आधार पर चुनाव में जाने का साहस भाजपा में नहीं है। आज तक हर चुनाव भाजपा धर्म सम्प्रदाय राष्ट्रीयता के आड़ में ही लड़ती आई है। अपने कामो को लेकर जनता के बीच भाजपा कभी नही जाती।

कांग्रेस भाजपा को चुनौती देती है कि वह मोदी सरकार के दो कार्यकाल और रमन सिंह के तीन कार्यकाल को ले कर जनता के बीच जाय जनता भाजपा को आइना दिखा देगी। मोदी और रमन दोनों के ही कार्यकाल जनता से वायदा खिलाफी से भरा पड़ा है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि मोदी ने 100 दिन में मंहगाई कम करने का वायदा किया था आज देश मे मंहगाई सर्वोच्च स्तर पर है। खाद्य सामग्री पेट्रोलियम पदार्थ रसोई गैस

सभी के दाम मोदी राज में दुगुने हो गए। 2 करोड़ युवाओं को रोजगार देने का वायदा किया था देश मे आजादी के बाद सबसे बेरोजगारी दर हो गयी। 2022 तक किसानों की आय दुगुनी करने का वायदा था किसानों की आय तो नहीं बढ़ी उल्टे मंहगाई के कारण कृषि की लागत बढ़ गयी। हर के खाते में पैसा डालने की बाद को तो सरकार बनाने के बाद जुमला बताया जा चुका है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि मोदी राज के समान ही छत्तीसगढ़ में भाजपा का रमन राज भी वायदा खिलाफी का दौर था। आदिवासियों को 10 लीटर दूध वाली गाय। हर परिवार से एक को नौकरी। धान की कीमत 2100 रु किसानों को 300 बोनस जैसे वायदों को भाजपा ने छग में तीन बार सरकार बनाने के बाद भी नहीं निभाया था।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि कांग्रेस के पास बताने के लिये अपने सरकार के गौरवशाली जनहित के काम है। हमारी सरकार ने अपने जन घोषणा पत्र के 95 प्रतिशत वायदों को पूरा किया है। छत्तीसगढ़ में भाजपा मुद्दविहीन है। इसके विपरीत कांग्रेस के पास अपनी सरकार के 5 सालों के काम की लंबी फेहरिस्त है। जनता, कांग्रेस सरकार बनाम भाजपा के 15 साल की तुलना कर रही है। भाजपा ने 2003 में आदिवासियों को 10 लीटर दूध वाली गाय देने का वायदा किया था, हर आदिवासी परिवार से एक को सरकारी नौकरी का वायदा किया था, पूरा नहीं किया। कांग्रेस सरकार ने आदिवासियों से किये वादों को पूरा किया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सरकार ने चार साल में आदिवासी वर्ग के शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य के एवं कानूनी अधिकार के लिये अनेको कार्य किया। बस्तर क्षेत्र में आदिवासी के वर्ग शिक्षा के लिए 300 से अधिक बंद स्कूलों को खोला गया। नक्सलवाद को खत्म करने के लिए विश्वास, विकास और सुरक्षा के नीतियों के तहत काम किया गया। रमन सरकार के दौरान दस गांवों के 1707 आदिवासी परिवार से छीनी गई 4200 एकड़ जमीन को लौटाई गई, जेल में बंद निर्दोष आदिवासियों को जेल से मुक्त कराया गया।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि रमन सरकार के 15 साल के भ्रष्टाचार का जबाब भी भाजपा को देना होगा। गरीबों के राशन में हुये 36000 करोड़ के नान घोटाले, नान डायरी वाली सीएम मैडम कौन है? पनामा पेपर वाले अभिषाक सिंह कौन है? गरीबों के अस्पताल डीकेएस में घोटाला कैसे हो गया? अगस्ता हेलीकॉप्टर घोटाला इन सबके बारे में भी जनता को बताना होगा। किसानों, आदिवासियों से धोखा वायदा खिलाफी क्यों किया था? किसानों को बार-बार 300 बोनस देने का वायदा कर क्यों नहीं दिया था? 2100 धान की कीमत पर धोखा क्यों दिया था?

विधानसभा आम निर्वाचन 2023 : निर्वाचन प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए तिथि निर्धारित

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कुलदीप शर्मा ने आदेश जारी कर जिले में विधानसभा निर्वाचन 2023 के अंतर्गत निर्वाचन प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु तिथि व समय निर्धारित किया है। जारी आदेश के अनुसार 17 अक्टूबर 2023 को प्रातः 11 बजे से शाम 05 बजे तक महिला मतदान कर्मीयों एवं युवा मतदान कर्मीयों का परिचयात्मक प्रशिक्षण होगा।

इसी प्रकार 18 अक्टूबर को हैण्ड्स ऑन ट्रेनिंग ऑफ कमीशनिंग स्टाफ 19 अक्टूबर को अनुपस्थित मतदाताओं 80 वर्ष से अधिक आयु के अशक्त मतदाताओं के मतदान के लिए मतदान कर्मीयों का प्रशिक्षण, 27 अक्टूबर को माइक्रो आर्ब्जवर ट्रेनिंग, 01 नवंबर को सामग्री वितरण एवं वापसी हेतु प्रशिक्षण जिला पंचायत के सभाकक्ष में रखा गया है। इसी प्रकार 03 नवंबर को पीठासीन अधिकारी एवं मतदान अधिकारी क्रमांक 01 का स्पेशल ओरियेंटेशन प्रशिक्षण शासकीय घनश्याम सिंह गुप्त महाविद्यालय बालोद, स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल आमापारा बालोद, शासकीय एकलव्य महाविद्यालय डौण्डीलोहारा, शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण बटेरा, शासकीय शहीद कौशल यादव महाविद्यालय गुण्डरदेही, शासकीय उच्चतर महाविद्यालय गुण्डरदेही में प्रातः 11 बजे से रखा गया है। 04 नवंबर को वाहन प्रभारी का प्रशिक्षण जिला पंचायत के सभाकक्ष में रखा गया है। 06 नवंबर को महिला मतदान कर्मीयों एवं दिव्यांग मतदान कर्मीयों एवं युवा मतदान कर्मीयों का प्रथम प्रशिक्षण स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल आमापारा बालोद में रखा गया है। 08 नवंबर को मतदान दिवस की व्यवस्था हेतु मतदान केंद्र संयोजक का प्रशिक्षण शासकीय घनश्याम सिंह गुप्त महाविद्यालय बालोद, स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल आमापारा बालोद, शासकीय शहीद कौशल यादव महाविद्यालय गुण्डरदेही, शासकीय उच्चतर महाविद्यालय गुण्डरदेही में प्रातः 11 बजे से रखा गया है। 09 नवंबर को पीठासीन अधिकारी एवं पी-1, पी-2, पी-3 का द्वितीय प्रशिक्षण शासकीय घनश्याम सिंह गुप्त महाविद्यालय बालोद, स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल आमापारा बालोद, शासकीय उच्चतर महाविद्यालय गुण्डरदेही में प्रातः 11 बजे से रखा गया है।

।। न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग -1 (छ.ग.)।।

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र./ 2023101014000014 / अ-27/ वर्ष 2022-23

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक - एस. मोहम्मद शाबाज इकबाल पिता स्व. मोहम्मद मोकिम पता-सेक्टर-6 भिलाई विरूद्ध एस. मोहम्मद शाहिद इकबाल पिता स्व. मोहम्मद मोकिम, रोशन आरा पिता स्व. मोहम्मद मोकिम आवेदक एवं अनावेदकगण के नाम व कब्जे की शमिलात कृषि भूमि मौजा चिरपोटी प.ह.नं. 46 स्थित कृषि भूमि खसरा नंबर 191 रकबा 0.33 है. राजस्व रिकॉर्ड में शामिलात नाम पर दर्ज है। उपरोक्त भूमि को बराबर-बराबर भागों में बांटकर पृथक-पृथक रूप से बंटवारा किये जाने आवेदन प्रस्तुत किया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 18.10.2023 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 02.10.2023 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

नायब तहसीलदार

मुहर

दुर्ग

जिला निर्वाचन कार्यालय में कंट्रोल रूम स्थापित

रायपुर। विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत जिला निर्वाचन कार्यालय (सामान्य शाखा) रायपुर में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। कंट्रोल रूम के प्रभारी अधिकारी अपर कलेक्टर होंगे तथा यह कंट्रोल रूम 24 घंटे संचालित होगा। कंट्रोल रूम का नंबर 07712445785 और 1950 है। यह कंट्रोल रूम 24 घंटे संचालित रहेगा। इस नंबर में निर्वाचन संबंधी शिकायत, जानकारीके लिए संपर्क किया जा सकता है। सूचना मिलने पर संबंधित टीमों द्वारा जल्द निवारण किया जाएगा। जारी आदेश के अनुसार कंट्रोल रूम में पंचायत इंस्पेक्टर अनिता ठाकुर, सहा.ग्रेड-03 अभिषेक कुमार दास की ड्यूटी लगाई गई है। यह समस्त कर्मचारी तीन पालियों मे कंट्रोल रूम में उपस्थित रहेंगे।

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts ● Toys ● Cosmetics
Perfumes ● Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास-खबर

खाई में गिरी पुलिस आरक्षक की कार, बेटे की मौत, परिवार के साथ जा रहे थे मध्यप्रदेश

रायपुर (ए)। राजधानी रायपुर के तेलीबांधा थाने में पदस्थ पुलिस आरक्षक का परिवार मंगलवार सुबह साढ़े सात बजे मप्र के मंडला-जबलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग 30 में हादसे का शिकार हो गया। टिकरिया के पास अनियंत्रित कार खाई में गिर गई। इसमें लव शर्मा (11) की मौके पर ही मौत हो गई है। वहीं पांच अन्य घायल हैं। एक ही हालत गंभीर है।

मंडला पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा ने बताया कि रायपुर के तेलीबांधा थाने में पदस्थ और भाठागांव निवासी सुनील कुमार शर्मा, शांति शर्मा (42), पुत्री पायल शर्मा (16) व तुलसी शर्मा (18) और पुत्र लव शर्मा (11) किसी स्वजन की तेरहवीं में भिंड जा रहे थे। मंडला-जबलपुर मार्ग पर टिकरिया थाना से लगभग एक किलोमीटर पहले एक वाहन को ओवरटेक करने के दौरान चालक अमित कस्तूरिया कार (सीजी 04 एचएम 0029) से नियंत्रण खो बैठा और कार सीधे खाई में जा गिरी।

घटना के बारे में जानकारी देते हुए टिकरिया थाना प्रभारी प्रताप सिंह ने बताया कि दुर्घटना में लव शर्मा की मृत्यु हो गई, जबकि चालक अमित पिता मनोज कस्तूरिया सहित सभी घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल तुलसी को जबलपुर मेडिकल अस्पताल रेफर किया गया है। अन्य को नारायणगंज स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है।

दवा व्यवसायी के सूने मकान में चोरों का धावा, जेवर और नकदी पार

बिलासपुर (ए)। तोरवा क्षेत्र के देवरीखुर्द में चोरों ने दवा व्यवसायी के सूने मकान में धावा बोलकर सोने-चांदी के जेवर और आठ हजार रुपये पार कर दिए। दवा व्यवसायी ने इसकी शिकायत तोरवा थाने में की है। इस पर पुलिस ने जुर्म दर्ज कर मामले को जांच में लिया है। देवरीखुर्द के हाउसिंग बोर्ड कालोनी में रहने वाले प्रवेंद्र बुंदेला दवा व्यवसायी हैं। पांच अक्टूबर की शाम वे मकान में ताला लगाकर उत्तर प्रदेश के उरई गए थे। उन्होंने मकान की देखरेख का जिम्मा घरेलू सहायिका को सौंप दिया था। सोमवार को अपने घर लौट रहे थे। सुबह करीब नौ बजे वे रतनपुर के पास पहुंचे थे। इसी दौरान उनकी घरेलू सहायिका ने फोन कर बताया कि मकान के पीछे की खिड़की का ग्रील टूटा है। ग्रील तोड़कर घुसे चोरों ने कमरे की आलमारी से सोने का कंगन, चेन, मंगलसूत्र, सोने की अंगुठी, चांदी की पायल, चांदी की कमरपेटी, सिक्के और गैस सिलिंडर पार कर दिया है। पीड़ित दवा व्यवसायी ने इसकी शिकायत तोरवा थाने में की है। इस पर पुलिस ने जुर्म दर्ज कर मामले को जांच में लिया है।

राजधानी में अवैध रूप से बेच रहे थे प्रतिबंधित डायक्लोफेनिक इंजेक्शन

26 लाख रुपये के 12 हजार वायल जब्त

रायपुर (ए)। खाद्य एवं औषधि प्रशासन की जिले की टीम ने अवैध इंजेक्शन की बिक्री पर बड़ी कार्रवाई की है। राज्य कार्यालय से मिले निर्देश के आधार पर डायक्लोफेनिक इंजेक्शन की अवैध तरीके से बिक्री की जांच की गई। इस दौरान सामने आया कि महावीर नगर स्थित सनराइज फार्मा कंपनी के माध्यम से अवैध रूप से इसकी बिक्री की जा रही है। इस पर खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने छापा मारकर 26 लाख 24 हजार 160 रुपये के 11 हजार 928 वायल जब्त किए। इस इंजेक्शन की बिक्री पर केंद्र द्वारा 2015 में पूर्ण प्रतिबंध लगाया जा चुका है। इसके बावजूद ज्यादा लाभ कमाने के लिए राजस्थान की जीबीएल फार्मासिटिकल कंपनी द्वारा

निर्माण कर गाजियाबाद उत्तरप्रदेश की फर्म लाइफ वे फार्मासिटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड और रायपुर की सनराइज फार्मा के जरिए खपाया जा रहा था।

डायक्लोफेनिक सोडियम इंजेक्शन दर्द निवारक दवा है। इसका इस्तेमाल आर्थराइटिस, आस्टियो आर्थराइटिस और अधिक मस्कुलोस्केलेटल चोटों जैसी स्थितियों में दर्द, सूजन, कठोरता और जोड़ों के दर्द के इलाज में किया जाता है। इसे ऐसे मामलों में दिया जाता है, जहां मुंह द्वारा इसका सेवन संभव न हो।

इससे पूर्व भी की गई है कार्रवाई

धमतरी में कार्रवाई करते हुए छह लाख दो हजार के 2,740 वायल, राजनांदगांव में 62 हजार रुपये के 286 वायल, रायगढ़ और खरसिया से 68,640 रुपये के 312 वायल जब्त किए गए थे।

ट्रेलर की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत, एक घायल

कोरबा (ए)। उरगा- हाटी मार्ग में ट्रेलर की टक्कर से बाइक सवार एक युवक की स्थल पर मौत हो गई। जबकि सवार एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं पीछे से आ रही कार को दुर्घटना से बचाने चालक ने ब्रेक लगाया, तो वाहन अनियंत्रित हो कर पलट गया।

जिले में तेज रफ्तार का कहर समाप्त होने का नाम नहीं ले रहा है। कटघोरा- अंबिकापुर राष्ट्रीय राज मार्ग 130 में लगातार दुर्घटना के बाद शनिवार को उरगा- हाटी मार्ग में तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। बताया जा रहा है कि उरगा थाना अंतर्गत ग्राम सिलियरीभाटा के पास एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने बाइक सवार को अपनी चपेट में ले लिया। इस घटना में बाइक सवार युवक की मौत हो गई, वही साथी घायल हो गया। इस घटना के बाद पीछे से आ रही कार भी दुर्घटना की शिकार हो गई।

दुर्घटनाकारी वाहनों से टकराने से बचाने का प्रयास करने पर चालक से कार अनियंत्रित होकर पलट गई। घटना के बाद स्थल पर लोगों की भीड़ लग गई। इस बीच किसी ने डायल 112 टीम को सूचना दी। इस पर स्थल पर पहुंची टीम ने घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। मृतक का शिनाख्त करने का प्रयास किया गया, तो उसकी पहचान रहीम टोप्पो निवासी जशपुर के रूप में हुई। मृतक के स्वजनों को सूचना देने के साथ ही पुलिस ने वैधानिक कार्रवाई के बाद शव का पोस्टमार्टम करा अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया। पुलिस ने मामले में ट्रेलर चालक के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है।

कान फोड़ू डीजे छत्तीसगढ़ नागरिक संघर्ष समिति ने दायर की हस्तक्षेप याचिका

बिलासपुर (ए)। बिलासपुर में डीजे से हो रहे ध्वनि प्रदूषण को लेकर उच्च न्यायालय द्वारा स्वतः संज्ञान लेकर दायर की गई जनहित याचिका में रायपुर में गणेश विसर्जन के दौरान हुए डीजे के ध्वनि प्रदूषण के मामले में छत्तीसगढ़ नागरिक संघर्ष समिति ने उच्च न्यायालय में हस्तक्षेप याचिका दायर की।

स्वत: संज्ञान में ली गई जनहित याचिका की सुनवाई मे चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा व जस्टिस नरेश कुमार चंद्रवंशी की युगल पीठ ने शासन से हस्तक्षेप याचिका पर जवाब मांगा है। याचिका में समिति ने पुलिस द्वारा गणेश विसर्जन के रूट का जारी किया गया नक्शा पेश करते हुए बताया कि यहां से कई डीजे रात भर निकलते रहे। लगभग 40 फोटो समिति ने न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किए। समिति के अध्यक्ष विश्वजीत मित्रा ने चर्चा में बताया कि लगभग 100 डीजे एक के पीछे एक वाहनों में रख कर 120 डेसीबल तक की आवाज निकालते हुए पुलिस द्वारा निर्धारित आठ किलोमीटर के मार्ग में सुबह तक जनता को परेशान करते रहे। मित्रा ने बताया कि जिन ट्रेलर ट्रक का प्रवेश शहर में प्रतिबंधित रहता है, ऐसे कई 40-40 फुट लंबे ट्रेलर ट्रक में डीजे बजाते हुए शहर के बीच से निकाले गए। शंकर नगर चौक में आवासीय क्षेत्र में जहां 100-200 मीटर में अस्पताल है, एक ट्रेलर ट्रक में रात 10.30 बजे तक, दो घंटे तक डीजे बजाए गए।

समिति के डॉ. राकेश गुप्ता ने चर्चा में बताया कि प्रशासन चौक-चौराहों में लगे कैमरों के वीडियो फुटेज के आधार पर डीजे बजाने वालों पर कार्रवाई कर सकता है। पिछले वर्ष भी समिति ने कलेक्टर, एसपी, कमिश्नर नगर निगम को आवेदन देकर मांग की थी कि वीडियो फुटेज देखकर गणेश विसर्जन में वाहनों में रखकर डीजे बजाने वालों पर कार्रवाई की जाए और वीडियो फुटेज समिति को भी दिया जाए। परंतु न तो वीडियो फुटेज देखकर कोई कार्रवाई की गई और न ही समिति को दिया गया। बताया गया कि 30 दिन बाद डाटा नहीं रहता है। इस वर्ष भी समिति ने विसर्जन पूर्व पहले से ही से मांग कर रखी है कि वीडियो फुटेज संभालकर रखा जाए तथा समिति को भी दिया जाए। डॉ. गुप्ता ने बताया कि समिति पर्यावरण के मुद्दों को लेकर रायपुर और पूरे प्रदेश की जनता के हित के लिए कटिबद्ध है।

पट्टे की जमीन बिक्री करने का झांसा देने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर (ए)। पट्टे की जमीन को बेचने का झांसा देकर धोखाधड़ी करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पूछताछ में दोनों ने अपराध स्वीकार किया है। सोमवार को पुलिस ने उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

सरकंडा थाना क्षेत्र के बंधवापारा निवासी सौरभ कुमार चंदेल ने अपनी शिकायत में रतनपुर पुलिस को बताया था कि ग्राम नवापारा बारीडीह में स्थित भूमि स्वामी रामकुमार सिंह ठाकुर ने डेढ़ एकड़ व भूमि स्वामी बलराम व चन्द्रिका व अन्य ने दो एकड़ भूमि को बेचने के लिए दिखाए थे। डेढ़ एकड़ की जमीन को छह लाख रुपये व दो एकड़ की जमीन को 10 लाख रुपये में बेचने का सौदा तय हुआ।

आरोपियों द्वारा बिक्रय पत्र इकरारनामा सौरभ कुमार के भाई रविश चंदेल के नाम पर किया और दोनों जमीन की राशि 16 लाख रुपये गवाहों के सामने नगद भुगतान किया था। फिर बाद में पीड़ित को पता चला कि दोनों जमीन शासन के द्वारा दिए गए पट्टे की जमीन है। इसकी जानकारी आरोपितो द्वारा छुपाया गया था।

रतनपुर पुलिस इस मामले में अपराध दर्ज कर जांच कर रही थी। पुलिस की टीम रविवार को घेराबंदी कर रानीबछाली निवासी आरोपित बलराम प्रसाद दुबे (58) और चन्द्रिका प्रसाद दुबे (46) को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया।

जंगल में पुटू लेने गए ग्रामीण पर भालू ने किया हमला

कोरबा (ए)। कटघोरा वनमंडल के ग्राम केंदई निवासी ग्रामीण पर भालू ने हमला कर घायल कर दिया है। ग्रामीण जंगल में पुटू लेने गया था, इलाज के लिए उसे गंभीर अवस्था में जिला मेडिकल कालेज अस्पताल में दाखिल किया गया हैं।

जंगल में एक ओर हाथी मानव द्वंद्व थमने का नाम नहीं ले रहा वही भालू के हमले की घटना घटित हो रही है। वर्षा ऋतु समापन के बाद धूप का असर तेज होने की वजह से इन दिनो जंगल की जमीन से पुटू निकलने लगे हैं। पुटू को ग्रामीण क्षेत्रों में सब्जी के रूप में उपयोग किया जाता है। ग्राम केंदई निवासी जयलाल 52 वर्ष पुटू लेने के लिए जंगल गया था। वापसी के दौरान उसका सामना भालू से हो गया। जयलाल भागता इससे पहले भालू ने उस पर हमला कर दिया। ग्रामीण जयलाल के शोर मचाने पर आसपास खेतों में काम कर रहे ग्रामीण घटना स्थल पर पहुंच गए। अधिक संख्या में लोगों को अपनी ओर आते देख भालू जंगल की ओर भाग खड़ा हुआ। घटना की सूचना वन कर्मियों को दी गई। जिनके माध्यम से उसे पोड़ी उपरोड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे जिला मेडिकल अस्पताल रेफर कर दिया। जहां उसका इलाज जारी है। प्राथमिक सहायता के रूप में वन विभाग ने उसके स्वजन को 500 रूपये प्रदान किया है।

हाथी मानव द्वंद्व के बीच एक ओर जहां आम लोगों के लिए खतरा बढ़ा हुआ है, वहीं जंगली जीव भी खतरे में हैं। आम तौर पर जंगली सूअर, खरगोश आदि के शिकार के लिए जंगल में करंट बिछा दिया जाता है। जिससे हाथी अथवा ग्रामीण चपेट में आ जाते हैं। इस दौरान उनकी मौत भी हो जाती है। इस तरह की घटना को रोकने के लिए रायपुर वन वृत्त से पहुंची हाथी विशेषज्ञ ने सानियाल कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया। उन्होने बताया कि जंगल में लावारिस रूप से बिखरे तार को गंभीरता से लें।

करंट से हाथी की सुरक्षा के लिए जंगल के विद्युत खंबे होंगे चिन्हांकित

हाथी व अन्य वन्य प्राणियों की इलेक्ट्रो फ्यूजन यानी करंट से होने वाली मौत को रोकने के लिए दो दिवसीय वन्य प्राणी सुरक्षा प्रशिक्षण कटघोरा वन मंडल के बुका में आयोजित हुआ। रायपुर से पहुंचे विशेषज्ञ दलों वन्य दल के कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया। वन क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति के लगाए गए खंभों व विद्युत लेने वाले घरों को चिन्हांकित करने की बात कही गई, ताकि शिकार के लिए बिछाए गए तार को आसानी से हटाया जा सके।

होर्डिंग हटाने व वॉल पेंटिग मिटाने पर विवाद, निगम कर्मियों से हाथापाई व मारपीट, आयुक्त ने दिए एफआईआर के निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव की घोषणा के साथ ही आदर्श आचार संहिता लग गई है। आचार संहिता लगने के बाद जिला प्रशासन व निगम प्रशासन द्वारा क्षेत्र में संपत्ति विरूपण अधिनियम के तहत राजनीतिक दलों के होर्डिंग्स, वॉल पेंटिग आदि मिटाया जा रहा है। इसी कड़ी में सेक्टर-7 फ्लाईओवर के नीचे वॉल पेंटिंग मिटाने व होर्डिंग हटाने के दौरान विवाद की स्थिति बन गई। कुछ युवक पहुंचे और निगम कर्मियों से विवाद करने लगे। इस दौरान एक युवक ने निगम कर्मी के साथ

हाथापाई भी की। अब इस पूरे मामले में भिलाई निगम आयुक्त रोहित व्यास ने एफआईआर कराने का निर्देश दिया है।

बताया जा रहा है कि जिस युवक ने निगम कर्मियों से विवाद के बाद हाथापाई की और धमकाने का प्रयास किया वह एक राजनीतिक दल का समर्थक है। अपने दल के होर्डिंग व वॉल पेंटिंग को मिटाने पर वह नाराज हो गया और निगम कर्मियों से विवाद शुरू कर दिया। देखते ही देखते मौके पर भीड़ जुट गई और कुछ लोगों ने बीच बचाव भी शुरू किया। काफी देर तक यहां तनाव की स्थिति रही। वहीं इस पूरी घटना का वीडियो भी वायरल हो रहा है।

करा रहे हैं एफआईआर

इस मामले में भिलाई निगम आयुक्त रोहित व्यास ने बताया कि नगर निगम द्वारा सभी जोन में संपत्ति विरूपण की कार्रवाई की जा रही है। इस दौरान सेक्टर-7 व 8 के बीच फ्लाईओवर के नीचे निगम कर्मियों से हाथापाई हुई। इस मामले में निगम द्वारा एफआईआर करवाई जा रही है।

आचार संहिता लागू होते ही बदमाशों पर कसा पुलिस ने शिकंजा, 100 से ज्यादा बदमाशों को भेजा जेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। विधानसभा चुनाव की घोषणा के साथ ही आचार संहिता लागू होने के बाद दुर्ग पुलिस ने बदमाशों पर सिकंजा कसना शुरू कर दिया है। सोमवार को फ्लैग मार्च के बाद एसपी शलभ कुमार सिन्हा के निर्देश पर सभी थाना क्षेत्रों में बदमाशों की धरपकड़ की गई। इस दौरान अलग अलग थाना क्षेत्रों से 100 से ज्यादा बदमाशों को पकड़कर जेल भेजा गया। इनमें आर्म्स एक्ट के साथ प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत कार्रवाई की गई।

चुनाव आयोग नई दिल्ली के

द्वारा जारी आदर्श आचार संहिता के निर्देशों की परिपालन में जिला पुलिस बल दुर्ग द्वारा कार्रवाई शुरू कर दी गई है। आचार संहिता लगने के पहले दिन शहर के सभी थाना क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर आर्म्स एक्ट सहित प्रतिबंधात्मक कार्रवाई एवं वारंटी अभियान चलाया। जिसमे आर्म्स एक्ट में 6 कार्यवाही धारा 151 जा. फो. में 30, धारा 107,116 जा. फो. में 45 आरोपियों को गिरफ्तार का जेल भेजा गया, उनके साथ ही स्थाई एवं गिरफ्तारी वारंटीयो पर भी कार्रवाई की गई है। साथ ही आबकारी एक्ट, मोटर व्हीकल एक्ट के तहत भी लगातार कार्रवाई तेज की गई है।

इसके अलावा लगातार शस्त्रों को थाना में जमा करने निर्देशित किया गया है जिसके तहत 50 प्रतिशत से अधिक शस्त्र अभी तक थानों में जमा कर दिए गए हैं। दुर्ग पुलिस का अभियान लगातार जारी रहेगा, जिसके तहत गुंडे, बदमाशों, अवैध मादक पदार्थों की शिकायत वाले एवं चुनावी माहौल खराब करने वालों पर, पुलिस की अलग से टीम गठित की गई है।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

विधानसभा निर्वाचन-2023 : आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील होने पर निर्माण कार्यों पर लगा प्रतिबंध

दुर्ग। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली द्वारा 9 अक्टूबर 2023 को विधानसभा आम निर्वाचन-2023 की घोषणा की जा चुकी है तथा घोषणा की तिथि से जिले में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री पुष्पेन्द्र कुमार मीणा ने निर्वाचन की घोषणा के साथ जिले में आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील होने पर निर्माण कार्य एजेंसी विभागों को निर्माण कार्य पर प्रतिबंध लगाने आदेशित किया है। जिला दण्डाधिकारी की आदेशानुसार निर्वाचन की घोषणा की दिनांक से कोई भी ऐसा निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं होगा, जिसके संबंध में कार्यादेश जारी कर दिया गया है परन्तु वास्तव में स्थल पर कार्य प्रारंभ नहीं किया गया है, वे कार्य निर्वाचन समाप्ति के पश्चात् ही प्रारंभ किये जा सकते हैं। यदि कोई कार्य वास्तव में प्रारंभ हो चुका तो उसे जारी रखा जा सकता है। यह प्रतिबंध निर्वाचन समाप्ति तक संपूर्ण दुर्ग जिले में प्रभावशील रहेगा।

निर्वाचन कार्यो के लिए निगम के जनगणना शाखा में लगी ड्यूटी

भिलाई। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ द्वारा जारी पत्र के परिपालन में निगम आयुक्त रोहित व्यास ने विधानसभा निर्वाचन 2023 के निर्वाचन कार्य हेतु निर्वाचन शाखा नगर पालिक निगम कार्यालय सुपेला में भूपेन्द्र देशमुख, बंछोर लाल कोसरे, महेश देवांगन, सुनील निमोड़े, दिनेश बेलचंदन, नम्रता गाडपल्लीवार, राहूल बोरकर, गजेन्द्र कुमार, चौधरी महानंद, अलख यादव की ड्यूटी लगाई गई है। उक्त सभी कर्मचारी निगम के जनगणना शाखा में उपस्थित होकर निर्वाचन अधिकारी द्वारा आदेशित कार्यो का संपादन करेगें।

शहर से उतरने लेगें राजनीतिक दलों के बैनर, पोस्टर, फ्लैक्स को निगम टीम ने घूम-घूम कर निकाला

दुर्ग। नगर पालिक निगम में आचार संहिता लागू होते ही राजनीतिक दलों के बैनर-पोस्टर पर गाज गिरने लगी।नगर निगम प्रशासन ने सारे राजनीतिक विज्ञापनों को हटा दिया है और हटाने की कार्रवाही लगातार जारी है।आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के निर्देश पर अतिक्रमण विभाग के टीम द्वारा ताबड़तोड़ कार्रवाई शुरू कर दी। सोमवार से शुरू हुई कार्रवाही आज दूसरा दिन भी शहर के कोने कोने से उतरने लेगें दो दिनों में राजनीतिक दलों के बैनर, पोस्टर, फ्लैक्स झंडे को निगम की टीम ने सार्वजनिक स्थान से 3,194,निजी स्थानों से 54 से हटाए गए हैं। इसके अलावा घूम-घूम कर संपत्ति विरूपण नियम के तहत बैनर, पोस्टर, फ्लैक्स, झंडे को जब्ती बनाया गया। साथ ही दीवारों से वाल राइटिंग को भी शहर के कोने कोने से निगम की टीम निरीक्षण कर कार्रवाही कर रही है। दिनभर जीई रोड से लेकर वार्डो के गली मोहल्ले के साथ- साथ ही सड़क के दोनों किनारे,जी रोड मुखमार्ग,गौरवपथ महाराजा चौक,पोटिया चौक,पुलगांव चौक,इदिरा मार्केट क्षेत्र,स्टेशन रोड,ग्रीन चौक,मालवीय नगर,रायपुर नाका सहित संपूर्ण नगर निगम क्षेत्र में लगे बैनर, पोस्टर,फ्लैक्स को जब्त किया। दीवार लेखन को सफेद व गेरू रंग से मिटाया गया।

4 सीटों पर ओबीसी दाँव, महिलाओं की अनदेखी, दुर्ग में कितना सटीक बैठेगी भाजपा की बाजी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। ओबीसी बाहुल्य दुर्ग जिले में भाजपा ने बड़ा दाँव चला है। यहां 6 में से सिर्फ 1 सीट पर सामान्य प्रत्याशी उतारा गया है, जबकि 4 सीटों पर ओबीसी प्रत्याशी को टिकट देकर इस वर्ग के वोट कबाडने की रणनीति बनाई की गई है। जिले की एक सीट एससी आरक्षित है। भाजपा की दूसरी सूची जारी होने के बाद जिले की सभी सीटों पर पार्टी ने अपने पत्ते खोल दिए हैं।

इन सीटों पर प्रत्याशी सामने आने के बाद जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं में जरूर नाराजगी है, लेकिन इसे पार्टी का बेहद सधा हुआ और भविष्य को ध्यान में रखकर बनाया गया प्लान माना जा सकता है। हालांकि आधी आबादी यानी महिलाओं को टिकट न देने का गलत मैसेज भी गया है, क्योंकि भाजपा ने महिला आरक्षण बिल पारित करवाने के बाद इसका श्रेय लेने की भी जमकर कोशिश की थी। दुर्ग जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में करीब 72 फीसद आबादी पिछड़ा वर्ग की है।

वहीं शहरी क्षेत्रों में 40 से 42 फीसद पिछड़ा वर्ग के लोग निवास करते हैं। संभवत: इतनी बड़ी आबादी को ध्यान में रखकर ही भाजपा ने जातीय व सामाजिक गुणा-गणित लगाया है। हालांकि भाजपा प्रत्याशियों को लेकर खुद उनकी पार्टी के कार्यकर्ता असंतुष्ट हैं। कांग्रेस ने अब तक अपने प्रत्याशियों का ऐलान नहीं किया है, लेकिन माना जा रहा है कि जिले की अधिकतर सीटों पर उसके प्रत्याशी तय हैं। पाटन से भाजपा ने सांसद विजय बघेल को प्रत्याशी बनाया है।

यहां से कांग्रेस से सीएम भूपेश बघेल चुनाव लड़ेंगे। दुर्ग शहर सीट से भाजपा ने गजेन्द्र यादव पर दांव चला है। यहां से कांग्रेस के दिग्गज नेता व विधायक अरुण वोरा का चुनाव लडना सौ फीसद तय है। इसी तरह दुर्ग ग्रामीण सीट से भाजपा ने ललित चंद्राकर को उम्मीदवार घोषित किया है। इस सीट पर उन्हें पार्टी के कद्दावर नेता गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू का सामना करना होगा। इन 3 सीटों के अलावा भिलाई नगर से भाजपा ने अपने वरिष्ठ नेता प्रेमप्रकाश पाण्डेय का नाम पर मुहर लगाई है। यहां से वर्तमान में कांग्रेस के युवा देवेन्द्र यादव विधायक हैं। अहिवारा, जिले की इकलौती एससी आरक्षित सीट है। यहां से भाजपा ने डोमनलाल कोर्सेवाड़ा को प्रत्याशी बनाया है। यहां भी कांग्रेस के केबिनेट मंत्री रूद्र कुमार गुरू विधायक हैं। इस बार वे नवागढ़ से चुनाव लड़ सकते हैं। इसलिए कांग्रेस को यहां से नया प्रत्याशी चुनना होगा। कांग्रेस की ओर से भिलाई-3 चरोदा नगर निगम के महापौर निर्मल साहू का नाम यहां प्रमुखता से लिया जा रहा है। इसी तरह वैशाली नगर सीट से भाजपा ने रिकेश सेन पर दाँव लगाया है। यहां भी कांग्रेस नया चेहरा दे सकती है। पार्टी यदि यहां से किसी महिला को उम्मीदवार नहीं बनाती तो इंदरजीत सिंह छोटू का नाम लगभग तय बताया जा रहा है।

भाजपा व कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मिले फीडबैक को ध्यान में रखें तो पाटन, दुर्ग शहर व दुर्ग ग्रामीण में कांग्रेस के लिए अच्छी संभावनाएं हैं। बावजूद इसके कि इन तीनों सीटों पर भाजपा ने ओबीसी प्रत्याशी दिए हैं। पाटन में भूपेश बघेल स्वयं ओबीसी वर्ग से आते हैं। वहीं दुर्ग ग्रामीण में ताम्रध्वज साहू भी इसी वर्ग से हैं। दुर्ग में जरूर अरुण वोरा सामान्य वर्ग से हैं। लेकिन यहां यह देखना भी जरूरी है कि वोरा परिवार का दुर्ग शहर की राजनीति और वहां के मतदाताओं में खासा जनाधार है। कुछ अपवादों को छोड़ दें तो यहां आधा दशक से ज्यादा वक्त से वोरा परिवार राजनीति कर रहा है और जीत भी रहा है। वैसे भी खुद भाजपा के लोग गजेन्द्र यादव को कमतर आंक रहे हैं।

बाकी बची 3 सीटों पर स्थानीय लोगों को तगड़ा मुकाबला देखने को मिल सकता है। अहिवारा क्षेत्र का ओबीसी प्रत्याशी से कोई लेना-देना नहीं है। लेकिन यहां यह वर्ग निर्णायक जरूर रहता है। आमतौर पर पिछड़ा वर्ग का झुकाव सत्तापक्ष की ओर ज्यादा देखा गया है। इसलिए भाजपा को इस आरक्षित सीट पर काफी मेहनत करनी पड़ सकती है। भाजपा ने इकलौती भिलाई नगर सीट पर प्रेमप्रकाश पाण्डेय के रूप में सामान्य प्रत्याशी दिया है। भिलाई को मिनी भारत कहा जाता है और यहां सभी जाति-धर्म, सम्प्रदाय के लोग निवास करते हैं।

इसलिए इस सीट पर ओबीसी वर्ग का प्रभाव कम रहता है। विगत चुनाव में कांग्रेस ने यहां से अपने महापौर देवेन्द्र यादव को टिकट दी थी। जो स्वयं ओबीसी हैं। कुछ पेचीदगियां यदि हल हो जाएं तो यहां देवेन्द्र यादव से फिर से कांग्रेस के उम्मीदवार होंगे। अन्यथा की स्थिति में पार्टी के लिए दिक्कत आ सकती है। वहीं वैशाली नगर क्षेत्र में भी ओबीसी वर्ग का काफी प्रभाव है। यह विधानसभा क्षेत्र अपेक्षाकृत पिछड़ा हुआ है। भाजपा ने यहां से युवा चेहरे के रूप में रिकेश सेन पर भरोसा जताया है। कांग्रेस से यहां कई नाम चलायमान है, इसलिए इस सीट पर कांग्रेस का चेहरा काफी मायने रखेगा। वैशाली नगर को भाजपा मानसिकता वाली सीट माना जाता है। ऐसे में पिछड़ा वर्ग के गणित का सफल होना पार्टी के लिए फायदेमंद हो सकता है।

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा मद्यपान निषेध सप्ताह मनाया गया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। श्री गोविंद राम शदाणी शासकीय कला एवं वाणिज्य कन्या महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा मद्यपान निषेध सप्ताह (2 अक्टूबर से 8 अक्टूबर तक)मनाया गया।

महाविद्यालय से प्राचार्य डॉ अमिताभ बैनर्जी के मार्गदर्शन एवं प्रभारी प्राचार्य श्रीमती उषा अग्रवाल के निर्देशन में प्रभारी डॉ मनीषा गर्ग ने अपनी टीम के साथ निबंध प्रतियोगिता भाषण प्रतियोगिता रैली तथा पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया। नशा मुक्ति पोस्टर प्रतियोगिता में निर्णायक श्रीमती कल्पना झा संगीता झा एवं हर्ष कोसले ने बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा सृष्टि पाणिकर को प्रथम स्थान तथा द्वितीय स्थान बीकॉम द्वितीय वर्ष की छात्रा दिव्या कश्यप को प्रदान किया द्य शराबबंदी से संबंधित नुक्कड़ नाटक में अंजलि मांझी ,प्राची उरुकुड़े ,पलक मांझी और सुजाता राव, खुशबू ध्रुव ने भाग लेकर जागरूकता फैलाई तथा नशे से दूर रहने का संदेश दिया । 7 अक्टूबर को प्रभारी डॉ मनीषा गर्ग ने शपथ दिलवाकर तथा हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से जागरूक किया।

आचार संहिता का पालन कराने फील्ड में उतरे निगम आयुक्त

भिलाई निगम के सभी कार्यालयों सहित निगम क्षेत्र का निरीक्षण कर उतरवाये बैनर पोस्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। निगम क्षेत्र में आदर्श आचार संहिता प्रभावशील होने के बाद आयुक्त रोहित व्यास सोमवार शाम निगम मुख्यालय सुपेला सभी जोन कार्यालय तथा शहर के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कर संपत्ति विरूपण अधिनियम के तहत निगम द्वारा उतारे जा रहे राजनैतिक बैनर, पोस्टर, फ्लेक्स एवं दीवार लेखन का मौका मुआयना किये और विज्ञापन एजेंसी द्वारा यूनिपोल में लगे राजनैतिक प्रचार सामग्री को तत्काल हटाने के निर्देश दिए।

भारत सरकार निर्वाचन आयोग द्वारा लगाए गए आचार संहिता के तहत संपत्ति विरूपण को सख्ती से पालन कराने भिलाई निगम का अमला पूरी मुस्तैदी से कार्य कर रहा है। राजस्व विभाग, तोड़फोड़ दस्ता और स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों की अलग अलग टीम बनाकर नेताओ की फोटो लगे हुए बैनर, पोस्टर, फ्लेक्स आदि को उतरवाया जा रहा है, साथ ही दीवार पर प्रचार प्रसार के लिए किए गए दीवार लेखन को भी मिटाया जा रहा है। निगम क्षेत्र में चल रही गतिविधियों का निगम आयुक्त ने देर शाम तक निरीक्षण किया। उन्होंने सर्वप्रथम निगम के मुख्य कार्यालय के सभी विभागों में पहुंचे और शासकीय कैलेण्डर, टेबल कैलेण्डर, शासकीय योजनाओं के प्रचार सामग्री जहां भी पाया गया तत्काल मौके से हटवाया गया। इसके पश्चात आयुक्त निगम के सभी जोन कार्यालय पहुंचे और जोन आयुक्त, अभियंताओं के कक्ष, स्वास्थ्य विभाग, राजस्व विभाग सहित पूरे जोन परिसर का निरीक्षण करते हुए आचार संहिता का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए। निगम क्षेत्र में लगे बैनर, पोस्टर, फ्लेक्स, दीवार लेखन सहित संपत्ति विरूपण की कार्यवाही का निरीक्षण करने देर शाम तक आयुक्त रोहित व्यास घूमते रहे इस दौरान उनके साथ अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी, स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेन्द्र मिश्रा,सहायक राजस्व अधिकारी बालकृष्ण नायडू, अनिल मेश्राम, धीरज साहू, मलखान सोरी, जगदीश तिवारी भी उपस्थित रहे।

उन्होंने सुपेला , गदा चौक, गौरव पथ, छावनी चौक, शिवाजी नगर, पॉवर हाउस, नेहरू नगर, स्मृति नगर का निरीक्षण किया इस दौरान सड़क किनारे लगे हुए छोटे होर्डिंग्स, पोस्टर का स्वंय मौके पर खड़े होकर उतरवाये, मुख्यमंत्री स्मल योजना, धनवंतरी मेडिकल में लगे फेटो पर स्टीकर लगवाया गया है। जगह जगह दीवारों पर प्रचार प्रसार के लिए चुनावी दीवार लेखन को भी मिटाया जा रहा है। इसके अलावा निगम की टीम जीई रोड, ओवर ब्रिज, सड़क किनारे बिजली पोल पर लगे छोटे होर्डिंग्स सहित संपूर्ण निगम क्षेत्र में घूम घूम कर संपत्ति विरूपण की कार्यवाही कर रहे है।

संयंत्र व खदानों के ओपिनियन मेकर्स के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के औद्योगिक संबंध विभाग द्वारा संयंत्र के तथा खदानों के सभी ओपिनियन मेकर्स के लिए बीएमडीसी, भिलाई में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस कड़ी में संयंत्र के ओपिनियन मेकर्स के लिए दिनांक 4 से 5 अक्टूबर तक तथा खदानों के ओपिनियन मेकर्स के लिए 6 से 7 अक्टूबर तक इन दो दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन बीएसपी के मुख्य महाप्रबंधक संदीप माथुर ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि उपस्थित प्रतिभागी गैर कार्यपालकों की राय बनाने वाले भिलाई इस्पात संयंत्र के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। वे भिलाई इस्पात संयंत्र के लक्ष्यों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों से उन्हें अपनी क्षमताएं बढ़ाने और भिलाई इस्पात संयंत्र के विकास में और अधिक योगदान देने में मदद मिलेगी।

कार्यक्रम में विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें नेतृत्व, टीम वर्क, संचार और संघर्ष प्रबंधन शामिल हैं। प्रशिक्षण विशेषज्ञों और बीएसपी के वरिष्ठ अधिकारियों महाप्रबंधक शीजा मैथ्यू, महाप्रबंधक सूरज कुमार सोनी ने प्रतिभागियों को इन विषयों पर अपना ज्ञान और अनुभव साझा करते हुए कार्यक्रम में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस अवसर पर महाप्रबंधक जे एन ठाकुर भी उपस्थित थे जिनके मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। अपने संबोधन में श्री ठाकुर ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने आए सभी प्रतिभागियों को अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग करते हुए भिलाई इस्पात संयंत्र के विकास में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने यह भी बताया कि सेल स्तर पर केवल भिलाई इस्पात संयंत्र में ही ऐसा कार्यक्रम आयोजित किया जाता है, जिसमें सभी यूनियन एक मंच पर एकत्रित हो कर प्रशिक्षण लेते हैं। इस अवसर पर राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त एजेंसी से आमंत्रित, प्रशिक्षक महावीर जैन एवं विभा जैन द्वारा उपस्थित प्रतिभागियों को दो दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान भूतपूर्व मुख्य श्रम आयुक्त केंद्रीय सतीश चंद्र जोशी भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। उन्होंने प्रतिभागियों के साथ श्रम कानूनों में यूनियनों के अधिकार और अवैधानिक कृत्यों पर देय दण्डों के विषय में विस्तृत जानकारी साझा की।

विधानसभा निर्वाचन-2023 : अस्त्र-शस्त्र पुलिस स्टेशन में होंगे जमा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी पुष्पेन्द्र कुमार मीणा ने विधानसभा निर्वाचन-2023 हेतु कार्यक्रम की घोषणा एवं आदर्श आचरण संहिता के प्रभावशील होने के फलस्वरूप निष्पक्ष तथा शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करने तथा लोक शांति की सुरक्षा, आम व्यक्ति की सुरक्षा हेतु सीमित अवधि के लिए दुर्ग जिला सीमा क्षेत्र में आग्नेय अस्त्र लायसेंसियों से जमा कराने कहा है।

ताकि चुनाव प्रक्रिया के दौरान भय एवं आतंक का वातावरण न हो सके तथा इन अस्त्रों का दुरूपयोग होने से रोका जा सके। उन्होंने आयुध अधिनियम 1959 की धारा 17 उपधारा (3) के उप क्लाज (बी), धारा 21 के तहत दुर्ग जिला सीमा क्षेत्र के भीतर रहने वाले समस्त शस्त्र लायसेंसियों को आदेशित किया कि वे अपने-अपने आग्नेय अस्त्र-शस्त्र नजदीकी पुलिस स्टेशन में 7 दिनों के भीतर जमा कराये। लायसेंसी अपने शस्त्र दुर्ग नगर के शस्त्र डीलर, जिनके पास शस्त्र डिपॉजित करने, अनुज्ञप्ति है वहां भी जमा कर सकेंगे। जो व्यक्ति शस्त्र डीलर के पास शस्त्र जमा करेंगे, इसकी सूचना संबंधित थाना में देना होगा। संबंधित शस्त्र डीलर थानेवार जानकारी तैयार कर संबंधित थाने एवं जिला दण्डाधिकारी कार्यालय को प्रस्तुत करेगा।

यह आदेश जिले में निवासरत् सभी लायसेंसी तथा बाहर के जिले से आये लायसेंसी पर भी लागू होगा। सभी लायसेंसी आचार संहिता समाप्त होने के बाद अपने शस्त्र वापस प्राप्त कर सकेंगे। इसके लिए गठित जिला कमेटी द्वारा लिये गये निर्णय के अनुसार इस आदेश से सभी मान्यता प्राप्त बैंकों के सुरक्षा गार्ड/वित्तीय संस्थाओं के सुरक्षा गार्ड, संवैधानिक पदों पर आसीन व्यक्ति, राष्ट्रीय रायफल संघ व जिला रायफल संघ तथा इस जिले के औद्योगिक संस्थानों, शैक्षणिक संस्थानों एवं महत्वपूर्ण शासकीय संस्थानों के सुरक्षा हेतु तैनात सुरक्षा गार्ड मुक्त रहेंगे। साथ ही ऐसे अनुज्ञप्तिधारी व्यक्ति, जिनके पास सुरक्षा के लिहाज से शस्त्र होना अति आवश्यक है।

अनुज्ञप्तिधारी के आवेदन पर कमेटी द्वारा विचार के बाद इस आदेश से मुक्त रखने अथवा नहीं रखने के संबंध में निर्णय लिया जा सकेगा। जिला कमेटी को दिये जाने वाले आवेदन कलेक्ट्रेट परिसर में अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी दुर्ग के कक्ष क्रमांक 31 में दिया जा सकेगा। सभी अनुज्ञप्तिधारी, जिन्हें इस आदेश से मुक्त रखा गया है, को भी अपने अस्त्र-शस्त्र की सूचना संबंधित थाने में आवश्यक रूप से तत्काल देनी होगी तथा अपने अस्त्र बिना थाना प्रभारी की अनुमति के अपने परिसर की सीमा क्षेत्र से बाहर नहीं ले जा सकेंगे।

निर्वाचन प्रक्रिया के समाप्ति तक के लिए दुर्ग जिला सीमा क्षेत्र के भीतर रहने वाले शस्त्र लायसेंसियों के शस्त्र लायसेंस निलंबित किए गये हैं। इसके अलावा संबंधित थाना प्रभारी यह सुनिश्चित करेंगे कि इस तरह जमा किये जाने वाले शस्त्र का उचित रूप से पंजी बनाकर उसमें जमा किये जाने वाले शस्त्रों का इंद्राज करेंगे और शस्त्र जमा करने वालों को इस संबंध में पावती देंगे।

संयंत्र द्वारा रावघाट के 31 युवाओं को नि:शुल्क लाईट व्हीकल ड्रायविंग प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के रावघाट सीएसआर परियोजना के तहत 09 अक्टूबर 2023 से, नारायणपुर क्षेत्र के समीपस्थ गाँव के 31 युवाओं को इंस्टिटयूट आफ ड्रायविंग एंड ट्रैफिक रिसर्च, ट्रेनिग सेंटर नया रायपुर में, नि:शुल्क लाईट व्हीकल ड्रायविंग प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस ड्रायविंग प्रशिक्षण का विधिवत उद्घाटन, 09 अक्टूबर 2023 को रायपुर इंस्टिट्यूट आफ ड्रायविंग एंड ट्रैफिक रिसर्च, ट्रेनिग सेंटर नया रायपुर के सभागार में, मुख्य अतिथि भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्यपालक निदेशक पवन कुमार द्वारा किया गया।

उद्घाटित उक्त योजना को कार्यांवित करने में, कार्यपालक निदेशक समीर स्वरुप, महाप्रबन्धक अनुपम बिस्ट एवं सहायक महाप्रबन्धक सचिन रंगारी की विशेष भूमिका रही। इस योजना को शुरू करने में इन सभी अधिकारियों का अथक प्रयास रहा। इस अवसर पर, मुख्य महाप्रबन्धक जितेंद्र यादव सपकाले, महाप्रबन्धक शिवराजन नायर, महाप्रबन्धक एच शेखर तथा वरिष्ठ प्रबंधक सुशील कुमार कामड़े विशेष रूप से उपस्थित थे। यह प्रशिक्षण इंसिटयूट आफ ड्रायविंग एंड ट्रैफिक रिसर्च, ट्रेनिग सेंटर नया रायपुर के संयुक्त संचालक श्री समीर गुप्ता के नेतृत्व में सम्पन्न हो रहा है।

कार्यपालक निदेशक समीर स्वरूप के मार्ग दर्शन एवं कुशल नेतृत्व में संचालित, इस ड्रायविंग प्रशिक्षण से नारायणपुर के 31 युवाओं के मन में आत्म विश्वास जागा है और उन्हें रोजगार का एक उपयुक्त अवसर भी मिला है। 31 परिवारों को उनकी उन्नति तरक्की एवं समृद्धि की दिशा मिली है। वनांचल क्षेत्र के इन 31 प्रशिक्षु युवाओं को लाईट व्हीकल इत्यादि चलाने की ट्रेनिंग 09 अक्टूबर से ही दी जा रही है।

परियोजना के इस प्रशिक्षण के तहत, युवाओं को ट्रेनिग सेंटर में भोजन सहित रहने की मुफ्त सुविधा भी प्रदान की जा रही है। इस प्रशिक्षण के साथ ही साथ लर्निंग लाइसेंस से परमानेंट लाइसेंस बनाने तक की भी सुविधा प्रदान की जायेगी।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950